■ वर्ष-17 ■ अंक-51 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य : 1 रुपए

नई दिल्ली, मंगलवार, 11 मार्च, 2025

newdibyabharat@gmail.com

दिव्य भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गाजीपुर में युवक की हत्या आपसी रंजिश का नतीजा... पृष्ठ-3

हम ऑस्ट्रेलिया के कठिन दौरे के बाद वापसी करना चाहते... पृष्ठ-7

संक्षिप्त

केवल भावना भड़का रही द्रमुक: निशिकांत दुबे

नई दिल्ली, (हि.स.)। लोकसभा में सोमवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर हुई बहस के बीच भाजपा सदस्य निशिकांत दुबे ने तमिलनाडु के क्षेत्रीय राजनीतिक दल एवं सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) पर अलगाव की भावना भड़काने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि द्रमुक देश के ताने-बाने को तोड़ना चाहती है। निशिंकात दुबे ने लोकसभा में कहा कि तीन भाषा फामूर्ले का विरोध कर द्रमुक पार्टी असल में तेलगु, कन्नड़, तमिल, मैथली और संथाली का विरोध कर रही है।

कलकत्ता हाई कोर्ट के जज सुप्रीम कोर्ट के जज नियुक्त

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कलकत्ता हाई कोर्ट के जज जस्टिस जोयमाला बागची को सुप्रीम कोर्ट का जज नियुक्त किया है। अब सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 33 हो जाएगी। सुप्रीम कोर्ट में जजों की स्वीकृत संख्या 34 है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने इससे पहले 6 मार्च को जस्टिस जोयमाला बागची को सुप्रीम कोर्ट के जज के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश की थी। जस्टिस जोयमाला बागची 26 मई, 2031 को चीफ जस्टिस बनेंगे।

युवा रोजगार पाने की बजाय रोजगार उत्पन्न करने वाले बनें : राष्ट्रपति

रमाकान्त पाण्डेय

हिसार। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने विद्यार्थी वर्ग से अग्राह किया है कि वे शिक्षा हासिल करके रोजगार पाने की मानसिकता को बदलें और रोजगार पाने की बजाय रोजगार उत्पन्न करने वाले बनें। यदि हम ऐसा करते हैं तो यह समाज कल्याण व देश की उन्नति में बहुत बड़ा कदम होगा।

राष्ट्रपति मुर्मु सोमवार को गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के छठे दीक्षांत समारोह में उपस्थित विद्यार्थियों, डिग्री व गोल्ड मेडल पाने वाले विद्यार्थियों को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि अपने ज्ञान व कौशल के बल पर विद्यार्थी समाज का कल्याण करें और देश की तरक्की में अपना योगदान दें। उन्होंने इस बात पर खुशी जताई कि दीक्षांत समारोह में पीएडी की डिग्री लेने वालों में बेटियों की संख्या 60 प्रतिशत से ज्यादा व पदक लेने वालों में बेटियों की संख्या 75 प्रतिशत से ज्यादा है। इसके लिए उन्होंने उपलब्धि प्राप्त बेटियों, उनके परिजनों व शिक्षकों को बधाई दी और कहा कि यह केवल हरियाणा ही नहीं बल्कि देश के विकास व समाज में महिलाओं की बढ़ती भूमिका का प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि गुरु जम्भेश्वर जी, जिनके सम्मान में इस विश्वविद्यालय का नाम रखा गया है, महान संत, दार्शनिक व वैज्ञानिक सोच के धनी थे। उनकी नैतिक जीवन शैली व पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी सोच को नमन करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि प्रकृति की रक्षा, जीवों के प्रति करूणा, दया का भाव रखना व उन्हें संरक्षण प्रदान करना मानव का नैतिक दायित्य है। वर्तमाान में हम जिन पर्यावरण संबंधी समस्याओं का हल खोज रहे हैं, उनमें गुरु जम्भेश्वर जी की शिक्षाएं प्रासंगिक हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी गुरु जम्भेश्वर की शिक्षाओं पर चलकर समाज व देश की तरक्की में अपना योगदान देते रहेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत को ग्लोबल नॉलेज सुपर पावर के रूप में स्थापित करने में उच्च शिक्षण संस्थाओं में किए गए शोध अहम भूमिका निभाएंगे।

हाल ही में राष्ट्रपति भवन में हुए एक कार्यक्रम में उन्होंने उच्च शिक्षण संस्थाओं में शिक्षण के साथ-साथ शोध कार्यों को बढ़ावा देने का आग्रह किया था। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता जताई कि गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय की 30 वर्ष की यात्रा में यहां के विद्यार्थियों व संकाय सदस्यों के विभिन्न शोध व अनुसंधान परियोजनाओं ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की है। इस बात की भी खुशी है कि शोध व रोजगार को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय में कई विशेष विभाग बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि बदलती ग्लोबल डिमांड के अनुसार युवा पीढ़ी को तैयार करना उच्च शिक्षण संस्थाओं के समक्ष बड़ी चुनौती है। देश के संतुलित व सतत विकास के लिए ये भी जरूरी है कि एजुकेशन व टेक्नोलॉजी का लाभ गांव–गांव पहुंचें। इस बात की खुशी है कि गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में 60 प्रतिशत बच्चे गांव या छोटे शहरों से हैं। ऐसे में गांवों तक शिक्षा व तकनीक पहुंचाने में यह विश्वविद्यालय सहायक सिद्ध हो सकता है। उन्होंने गांवों व छोटे शहरों से आने वाले विद्यार्थियों से भी अपील की कि वे शिक्षा के महत्व का प्रचार-प्रसार करें।

राष्ट्रपति ने कहा कि समय की मांग के अनुसार शिक्षा प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव लाने के लिए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लागू की गई। इस बात की खुशी है कि गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के सभी विभागों में नई शिक्षा नीति लागू कर दी गई है। नई शिक्षा नीति विकास, मौलिक शोध व रचनात्मकता को बढ़ावा देगी और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध करवाएगी। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह में डिग्री व पदक लेने वाले विद्यार्थियों की नई यात्रा की शुरूआत हो रही है। इस नई यात्रा में चुनौतियां भी हैं और अवसर भी हैं। ऐसे में निरंतर सीखते हुए और अपने कौशल को बेहतर करते हुए चुनौतियों को अवसर में बदल सकते हैं।

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान व कौशल प्राप्त करने का ही साधन नहीं है। शिक्षा मनुष्य में नैतिक सहिष्णुता व करूणा जैसे जीवन मूल्यों को विकसित करने का माध्यम भी है। शिक्षा आपको रोजगार के योग्य बनाने के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक भी करती है। उन्होंने उपाधियां व मेडल प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों व शिक्षकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

डीएमके सरकार एनईपी 2020 को लागू नहीं करके छात्रों का भविष्य बर्बाद कर रही है : प्रधान

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) सरकार तमिलनाडु में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को लागू नहीं करके छात्रों का भविष्य बर्बाद कर रही है।

धर्मेंद्र प्रधान ने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान पीएम श्री स्कूल को लेकर डीएमके सांसद टी सुमति के एक सवाल के जवाब में कहा कि एक समय पीएम श्री योजना को स्वीकार करने के लिए तमिलनाडु सरकार केंद्र सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के लिए तैयार थी। लेकिन बाद में उसने इस मुद्दे पर यूटर्न ले लिया।

तमिलनाडु में नई शिक्षा नीति के कार्यान्वयन के मुद्दे पर आज सदन में डीएमके सांसद अपना विरोध जताने के लिए वेल में आ गए। डीएमके सांसदों के विरोध के कारण लोकसभा की कार्यवाही को कुछ समय के लिए स्थगित करना पड़ा।

इस पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने तमिलनाडु की स्टालिन सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य सरकार छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने कहा, वे असभ्य, अलोकतांत्रिक लोग हैं और तमिलनाडु के छात्रों के प्रति प्रतिबद्ध नहीं हैं। वे उनका भविष्य बर्बाद कर रहे हैं। वे तमिलनाडु के लोगों के प्रति बेईमान हैं। यह लोग राष्ट्र को गुमराह कर रहे हैं।

लोकसभा की कार्यवाही स्थगित होने के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि जिनके पास ठोस तथ्य नहीं हैं, वे केवल हंगामा करके दूसरों को भ्रमित करना चाहते हैं। मैंने आज भी विनम्रता से कहा कि आज 10 मार्च है और इस वित्तीय वर्ष के पूरा होने में बस कुछ ही दिन बचे हैं। पिछले दिनों में केंद्र सरकार की तमिलनाडु सरकार के साथ जो चर्चा हुई है, उसमें समझौते का एक रास्ता भी निकला था। उसी रास्ते पर तमिलनाडु सरकार सहमत हो जाए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को तमिलनाडु को पीएम श्री योजना का आवंटन देने में कोई समस्या नहीं है लेकिन वे इसमें रुचि नहीं रखते हैं। जो लोग पीएम श्री योजना में शामिल नहीं होना चाहते हैं, मैं उनसे अपील करता हूं, पीएम श्री योजना मैं सभी का हित है।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के कार्यान्वयन सहित शिक्षा से जुड़े कई मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार और तमिलनाडु सरकार के बीच विवाद चल रहा है। तमिलनाडु ने एनईपी के तहत पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम श्री) कार्यक्रम के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया है, जहां समग्र शिक्षा फंड का इस्तेमाल किया जाना था। हाल ही में यह विवाद और बढ़ गया जब केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि समग्र शिक्षा योजना के तहत केंद्रीय निधि तब तक रोकी जाएगी, जब तक तमिलनाडु एनईपी को पूरी तरह से लागू नहीं कर देता।

स्व भारत का बोध जगाएं, बौद्धिक दासता से मुक्ति पाएं : दत्तात्रेय होसबाले

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह (महासचिव) दत्तात्रेय होसबाले ने आह्वान किया है कि पहले खुद में फिर सम्पूर्ण देशवासियों के मन में स्व भारत का आत्मबोध जगाना चाहिए। इस दृष्टि से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि जी-20 और राष्ट्रपति भवन के समारोहों में उन्होंने अपनी नाम पट्टिका में भारत लिखाकर एक संदेश देने का काम किया। नोएडा (गौतम बुद्ध नगर) में प्रेरणा शोध संस्थान और सुरूचि प्रकाशन के द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक समारोह मं साफ तौर पर उन्होंने कहा कि हमें अपने गौरवशाली अतीत का पुनःस्मरण करते हुए अभिमान करने के साथ-साथ यह भी ध्यान में रखना होगा कि भारत का वर्तमान और भविष्य समर्थ, स्वाभिमानी और शक्तिशाली हो। नोएडा (गौतम बुद्ध नगर) के पंचशील इंटर कॉलेज के खचाखच भरे विशाल सभागार में

उपस्थित प्रबुद्ध जन के सामने भारत के गौरवशाली इतिहास, वर्तमान की चुनौतियों और भविष्य की दिशा का मार्ग सुझाते हुए संघ के सरकार्यवाह ने कहा कि सबसे पहले यह आवश्यक है कि हम अपने देश और समाज को बौद्धिक दासता से मुक्त कराएं। समारोह की अध्यक्षता न्यूज-24 की प्रधान सम्पादक अनुराधा प्रसाद ने की। समारोह में इंडिया टीवी की एंकर मीनाक्षी जोशी को उनकी उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए प्रेरणा विमर्श 2024 से सम्मानित किया गया। दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि हमें याद रखना होगा कि सन् 1600 में जब ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना हुई तब भारत की वैश्विक जगत के कारोबार में हिस्सेदारी 23 प्रतिशत थी। वह केवल कृषि उपज के आधार पर नहीं थी बल्कि हम लोग औद्योगिक और व्यापारिक रूप से समृद्ध थे। हमारे यहां सोने की खानें नहीं हैं फिर भी हमारे मंदिरों में सोने के भंडार थे।

साहित्य और कानून का आपस में गहरा संबंध : न्यायमूर्ति दीपक मिश्रा

आलोक पाण्डेय

नई दिल्ली। साहित्य अकादेमी के एशिया के सबसे बड़े साहित्योत्सव के चौथे दिन, सोमवार को 22 से अधिक कार्यक्रमों में विभिन्न भारतीय भाषाओं के 140 से ज्यादा लेखकों ने भागीदारी की। इन कार्यक्रमों में पांच बहुभाषी कवि सम्मेलन और चार कथा सम्मेलनों के साथ ही स्वतंत्रता-पूर्व भारतीय साहित्य में राष्ट्र की अवधारणा, क्या कॉमिक्स साहित्य है? रंगमंच, भारतीय समाज में परिवर्तन के प्रतिबिंब के रूप में, सांस्कृतिक रूप से भिन्न भाषाओं में साहित्यिक कृतियों के अनुवाद में चुनौतियां, प्रवासी लेखन में मातृभूमि आदि महत्वपूर्ण विषयों पर परिचचाएं हुई।

आज की महत्त्वपूर्ण परिचर्चा साहित्य और समाजिक न्याय की अध्यक्षता भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति दीपक मिश्रा ने की। इस परिचर्चा में ए.पी. माहेश्वरी, मुकुल कुमार एवं अश्विनी कुमार ने भाग लिया। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में न्यायमूर्ति दीपक मिश्रा ने कहा कि साहित्य और कानून का आपस में गहरा संबंध है। साहित्य का सामाजिक न्याय के साथ सुखद गरिमापूर्ण और प्रभावशाली संबंध है। जिस तरह साहित्य के कई खंड होते हैं, उसी तरह सामाजिक न्याय की अवधारणा में भी कई पहलू

शामिल होते हैं जैसे समानता, सहानुभूति, आपसी सम्मान, समावेशिता, मानवतावाद और मानवाधिकारों का मूल्य आदि। उन्होंने आगे रोस्को पाउंड को उद्धृत करते हुए कहा कि मैं उनकी इस बात से सहमत हूं कानून स्थिर होना चाहिए लेकिन स्थिर नहीं रहना चाहिए। ठीक उसी तरह साहित्य को किसी भी तरह के कालक्रम में नहीं बांधा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज में न्याय की स्थापना केवल न्यायालयों तक सीमित नहीं होनी चाहिए बल्कि साहित्य के माध्यम से भी समाज के हर वर्ग की आवाज को प्रमुखता से प्रस्तुत करना आवश्यक है। न्याय की परिभाषा तभी सार्थक होगी जब समाज के अंतिम व्यक्ति को भी उसका अधिकार मिलेगा और साहित्य इसमें महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

भारतीय साहित्यिक परंपराएंः विरासत और विकास शीर्षक से राष्ट्रीय संगोष्ठी का भी आज शुभारंभ हुआ, जिसका उद्घाटन वक्तव्य प्रख्यात बांग्ला विद्वान एवं अनुवादक सुकांत चौधरी ने दिया तथा बीज वक्तव्य प्रख्यात अंग्रेजी लेखक मकरंद परांपजे ने दिया। आरंभ में अकादेमी के सचिव डॉ के. श्रीनिवास राव ने अपने स्वागत भाषण में भारतीय साहित्य के विकास को प्राचीन साहित्य की विविधताओं से लेकर 20वीं सदी में दलित और महिलाओं के लेखन के उदय और नए रूपों में आधुनिक विस्तार तक और अनुवाद के प्रभाव को रेखांकित किया, जिसने स्थानीय भाषाओं से कृतियों को नए पाठकों तक पहुंचाया।

मकरंद परांजपे ने अपने बीज भाषण में भारतीय पुनर्जागरण की अवधारणा पर बात की। उन्होंने आधुनिक भारत में साहित्यिक संस्कृति के समृद्धि के लिए कई खतरों को रेखांकित किया और यह कहा कि अतीत के महिमामंडन से आगे बढ़कर नए सृजन और विकास की ओर बढ़ने की आवश्यकता है, ताकि वर्तमान समय में साहित्य को विभिन्न चुनौतियों का सामना किया जा सके।

रेलवे संशोधन विधेयक, 2024 को मिली संसद की मंजूरी

नई दिल्ली, (हि.स.)। राज्यसभा ने सोमवार को रेलवे (संशोधन) विधेयक, 2024 ध्वनिमत से पारित कर दिया। लोकसभा पिछले साल दिसंबर में इसे पारित कर चुकी है। इसके साथ ही विधेयक को संसद की मंजूरी मिल गई। विधेयक का उद्देश्य रेलवे बोर्ड और रेलवे से जुड़े विधेयकों को एकीकृत करना है। विधेयक 1905 के रेलवे बोर्ड अधिनियम और 1989 के रेलवे विधेयक को एकीकृत करेगा।

उल्लेखनीय है कि भारतीय रेलवे बोर्ड अधिनियम, 1905 के तहत केंद्र सरकार रेलवे के संबंध में अपनी शक्तियों और कार्यों को रेलवे बोर्ड में निवेश कर सकती है। विधेयक 1905 अधिनियम को निरस्त करता है और इन प्रावधानों को रेलवे अधिनियम, 1989 में शामिल करता है।

केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज विधेयक पर पिछले दिनों हुई चर्चा का उत्तर दिया। उन्होंने कहा कि रेलवे बोर्ड और रेलवे से जुड़े विधेयक को एकीकृत करने से रेलवे का विकास और कार्यदक्षता बढ़ेगी। विधेयक

के माध्यम से कानूनी ढांचे का सरलीकरण होगा।

रेल मंत्री ने विपक्ष को रेल हादसों और रेलवे सुरक्षा से जुड़ी राजनीति से दूर रहने की अपील करते हुए कहा विधेयक से विकेन्द्रीकरण और सहयोगी संघवाद को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में रेलवे में तेज गति से विस्तार, नवीकरण और सुरक्षा की दिशा में कार्य हुआ है।

वैष्णव ने कई मुद्दों पर चरणबद्ध तरीके से विपक्ष के सवालों का जवाब दिया। साथ ही मंत्री ने विपक्ष के रेलवे सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं का भी जवाब दिया। उन्होंने बताया कि यूपीए के कार्यकाल के मुकाबले रेल दुर्घटनाओं में काफी कमी आई है। उन्होंने रोजगार के मुद्दे पर कहा कि जहां यूपीए के कार्यकाल में 4.11 लाख को रेलवे में नौकरियां दी गई थी वहीं प्रधानमंत्री मोदी के 10 वर्षों के दौरान 5.02 लाख लोगों को नौकरियां दी गई हैं। हमने चयन प्रक्रिया को भी कैलेंडर आधारित, सरल और पेपर लीक से मुक्त रखा है।

इस दौरान रेल मंत्री ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे पर लगे आरोपों का भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि मामले की जांच चल रही है। नई दिल्ली में हुई घटना से कई सबक मिलें हैं, जिनपर काम हो रहा है। उन्होंने राजद सदस्य मनोज झा की ओर से लगाए गए सीसीटीवी कैमरा बंद किए जाने के आरोप का खंडन किया और कहा कि उनके मोबाइल में भी स्टेशन की फुटेज है। उन्होंने कहा कि हर जान बहुत कीमती होती है और इस पर राजनीति नहीं की जानी चाहिए। सरकार अब 60 स्टेशनों पर एक्सेस कंट्रोल कर रही है और यहां एक होल्डिंग एरिया बनाए जाएंगे।

अफसरों की मिलीभगत से पार्किंग टेंडर फेल होना तय

कोर्ट के आदेश के बाद भी कनॉट प्लेस के स्ट्रीट वेंडरों का नहीं हुआ सर्वे डायरेक्टर कर रहे हैं मनमानी

दिव्य भारत संवाददाता

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद के स्मार्ट अफसरों की लगन और मेहनत का ही नतीजा है कि इस बार होने वाला पार्किंग टेंडर पूरी तरह से फेल होन तय है। ऐसा करके अफसरों ने एक तीर से दो शिकार साध लिए हैं।

सूत्रों के अनुसार, 17 फरवरी को यह टेंडर पब्लिक किया गया था। इसमें ईएमडी अमाउंट करीब 45 लाख 55 हजार रुपए रखा है। इसकी प्रीबिड मीटिंग 28 फरवरी तय की गई थी। इसके लिए 8 मार्च से बिड डालने के विंडो खुली, और 20 मार्च तक बिड जमा कराई जा सकती है। बिड खुलने की तारीख 21 मार्च है। यह टेंडर अगले 10 साल के लिए निकाला गया है।

एनडीएमसी की बिड पढ़ने पर समझ आया कि वह परफार्मेंस गारंटी के रूप में 7.9 करोड़ रुपए की मांग कर रही है। टेंडर में कहा गया है कि पार्किंग ठेकेदार को पार्किंग कलेक्शन में पर्सन्टेज भी देनी होगी। इतना ही नहीं हर तीन साल में पार्किंग चार्ज भी बढ़ाए जाएंगे यानि की परफोर्मेंट गारंटी भी बढ़ेगी।

जानकारी के मुताबिक इस समय पूरी एनडीएमसी से करीब डेढ़ से पौने दो करोड़ का कलेक्शन हो रहा है। उसमें से यहां काम करने वाले स्टाफ की सैलरी और बाकी खर्चा घटा दे तो शायद एनडीएमसी को 10 लाख रुपए महीने की बचत होती है। यह बात अलग है कि अफसरों की जेब में कुल मिलाकर करीब एक करोड़ पहुंच रहा है। अब ऐसे में आठ करोड़ रुपए महीना एनडीएमसी को देकर अपने खर्चे निकालना असंभव है। ऐसे में पार्किंग टेंडर फेल होना तय माना जा रहा है।

बताते हैं कि इस टेंडर के फेल होने से पार्किंग में तैनात अफसरों को उगाही करने के लिए दो से तीन महीने का और समय मिल जाएगा। इस तरह से उनकी कमाई जारी रहेगी। अफसर यह कहने लायक रहेंगे कि हम तो टेंडर कर रहे हैं लेकिन कोई नहीं आ रहा है।

जानकार बताते हैं कि पूरे एनडीएमसी इलाके का रेवेन्यू दो करोड़ से ज्यादा आना संभव नहीं है। लेकिन अफसरों को यह बात समझ नहीं आ रही है। बहरहाल, यहां के अफसर प्रधानमंत्री मोदी जी के न खाउंगा और न खाने दूंगा के नारे को पलीता लगाने में जुटे हैं।

अफसरों की मनमानी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है की दिल्ली हाईकोर्ट ने जुलाई 2022 में ही स्ट्रीट वेंडरों के सर्वे का आदेश दिया था, उसके बावजूद भी अफसरों ने कनाट प्लेस के वेंडरों का सर्वे अभी तक सर्वे नहीं किया गया है।

गर्मियों में पानी की किल्लत दूर करने की तैयारी में जुटी एनडीएमसी।

जन सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए दिल्ली सरकार के मंत्री सिरसा ने उठाए कदम

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के खाद्य आपूर्ति, पर्यावरण और उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने श्याम नगर, राजौरी गार्डन में जन सुविधाओं और स्वच्छता को बेहतर बनाने की दिशा में अहम कदम उठाए हैं। उन्होंने सोमवार को क्षेत्र में सड़कों और जल निकासी प्रणालियों के पुनर्विकास कार्य का उद्घाटन किया। इस पहल के तहत पैसिफिक मॉल के पास सुलभ शौचालय के नवीनीकरण कार्य का भी उद्घाटन किया गया। इन सुधारों का उद्देश्य निवासियों के लिए स्वच्छता, आवागमन और समग्र जीवन स्थितियों को बेहतर बनाना है। इसके अतिरिक्त दिल्ली सरकार क्षेत्र में बेहतर स्ट्रीट लाइटिंग और निवासियों के लिए साफ पानी की उपलब्धता पर काम कर रही है।

मंत्री ने राजौरी गार्डन क्षेत्र में बिजली आपूर्ति और पानी की उपलब्धता से संबंधित प्रमुख मुद्दों को हल करने के लिए बीएसईएस और दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों के साथ बैठक भी की। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि हर नागरिक को बेहतर जन सुविधाएं मिलें।

मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि विकास कार्य सिर्फ नवीनीकरण ही नहीं अपितु यह हमारे नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के बारे में है। हम स्वच्छता, सफाई और सार्वजनिक सुविधा को प्राथमिकता देकर अपने चुनावी घोषणापत्र में किए गए वादों को पूरा करने के लिए समर्पित हैं।

बीएसईएस बिजली वितरण कंपनी के अधिकारियों के साथ बैठक में मंत्री ने बिजली आपूर्ति संबंधी मुद्दों पर चर्चा की। निर्बाध बिजली आपूर्ति की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने अधिकारियों को बिजली कटौती को कम करने और आगामी गर्मी के मौसम को देखते हुए नई बिजली केबल और बिजली लाइनें बिछाने के चल रहे काम में तेजी लाने का निर्देश दिया। सरकार बिजली वितरण की दक्षता और विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्पित है ताकि किसी भी घर को अनावश्यक बिजली की कमी का सामना न करना पड़े। इसके अतिरिक्त गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए मनजिंदर सिंह सिरसा ने दिल्ली जल बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान राजौरी गार्डन में जल आपूर्ति सुविधाओं को और बेहतर बनाने की आवश्यकता बताई, जिससे राजौरी गार्डन में सभी नागरिकों को स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। यह प्रयास सभी निवासियों के लिए बेहतर वाटर प्रेशर के साथ स्वच्छ जल आपूर्ति सुनिश्चित करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मंत्री ने दोहराया कि सरकार सभी निवासियों के लिए मूलभूत आवश्यकता के रूप में शुद्ध और स्वच्छ पेयजल प्रदान करने के अपने वादे को पूरा करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

युवक की हत्या के मामले में दो गिरफ्तार

नई दिल्ली, (हि.स.)। पूर्वी दिल्ली के गाजीपुर इलाके में रविवार देर रात एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान रोहित (32) के रूप में हुई है। वारदात के बाद हमलावर मौके से भाग निकले। गोली लगने के बाद रोहित को लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल ले जाया गया, जहां उसको मृत घोषित कर दिया गया।

रोहित की मौत के बाद पुलिस की कार्रवाई से नाराज परिजनों ने सोमवार सुबह एनएच-24 (मौजूदा एनएच-9) पर जाम लगा दिया। सोमवार को पीक आवर्स में जाम की वजह से दिल्ली-गाजियाबाद में करीब चार किलोमीटर लंबा जाम लग गया। सोमवार को दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा थी। ऐसे में परीक्षा केंद्र जा रहे छात्रों का खासी दिक्कत हुई। कई एंबुलेंस व दफ्तर जा रहे लोग कई घंटे जाम में फंसे रहे। पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देकर किसी तरह परिजनों को सड़क से हटाया। इसके बाद ही हालात सामान्य हुए।

डीसीपी अभिषेक धानिया ने बताया कि हत्या के मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। इनकी पहचान नाजिम और तालिब उर्फ तारिक के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि रोहित और आरोपित समूह के बीच पैसे को लेकर विवाद चल रहा था, जो अपराध के पीछे का मकसद था। आगे की जांच जारी है।

पुलिस के मुताबिक रोहित अपने मामा रोहताश कुमार के साथ गाजीपुर गांव में रहता था। इसका खुद का परिवार गांव जमालपुर, गुलावठी, बुलंदशहर में रहता है। परिवार में मां सुनीता, भाई दीपक, सोहित व एक बहन मोनिका है। रोहित बचपन से ही अपने मामा के घर पर रहा है। यहां वह गाजीपुर कूड़े के खत्ते (गाजीपुर लैंड फिल साइट) पर सुपरवाइजर की नौकरी करता था।

रविवार रात को रोहित घर पर मौजूद था। इस बीच किसी ने कॉल की। रोहित अपने मामा के लड़के आकाश के साथ स्कूटी से गाजीपुर फूल मंडी के पास पहुंचा। इस बीच चार युवकों ने घेरकर उसे बेहद नजदीक से गोली मार दी।

आज का राशिफल

मेष राशि–कार्य-कुशलता से संतोष तथा मनोबल उत्साहवर्धक होगा, कार्य का ध्यान रखें।

वृष राशि–स्वभाव में खिन्नता होने से हीन भावना से बचिये अन्यथा झगड़ा होगा।

मिथुन राशि–अशांति तथा विलासिता से बचिये तथा विवाद होने की संभावना है सावधान रहें।

कर्क राशि–स्त्री वर्ग से भोग-ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी, रुके कार्यो से परेशानी होगी, धैर्य रखें।

सिंह राशि–आलोचनाओं से बचिये, कार्य-कुशलता से संतोष होगा, समय का ध्यान रखें।

कन्या राशि–धीमी गति में सुधार अपेक्षित होगा तथा सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

तुला राशि–स्त्री वर्ग से हर्ष-उल्लास, शत्रु वर्ग से चिन्ता होगी, कुटुम्ब की समस्यायें खत्म होंगी।

वृश्चिक राशि–योजना फलीभूत होगी तथा इष्ट मित्र सुखवर्धक होगा, कार्य अवरोध होगा।

धनु राशि–मित्रों से सहयोग मिलेगा, रुके कार्य बनेंगे, अधिकारियों का सहयोग मिलेगा।

मकर राशि–कुटुम्ब में सुख, मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी, बड़े-बड़े लोगों से मेल-मिलाप होगा।

कुंभ राशि–भाग्य का सितारा प्रबल होगा, दैनिक गति मंद तथा बिगड़े कार्य अवश्य बनेंगे।

मीन राशि–कार्य व्यवस्था में अनुकूलता बनेगी, समृद्धि के साधन अवश्य बनेंगे।

–अम्बुजा तिवारी

एबीवीपी ने मुझे दीप पकड़ाने से दीप जलाने तक की यात्रा करवाई है : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को एनडीएमसी सभागार में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की छात्रा संसद में कहा कि एबीवीपी केवल एक छात्र संगठन नहीं है बल्कि जीवन प्रबंधन की बड़ी पाठशाला है। गुप्ता ने कहा कि उनके भी जीवन में विद्यार्थी परिषद की अहम भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि एबीवीपी ने उन्हें दीप पकड़ाने से लेकर दीप जलाने तक की यात्रा करवाई है।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि वह 1993 में विद्यार्थी परिषद से जुड़ी थीं और 1995 में दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) का चुनाव लड़ा था। उन्होंने कहा कि युवा छात्राओं की ऊर्जा, आत्मविश्वास और संकल्पशक्ति ही राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की नींव है।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक छात्रा को आगे बढ़ाने और नेतृत्व का पाठ पढ़ाने का कार्य एबीवीपी ने किया है और यही कारण है कि आने वाले समय में इस संगठन से केवल एक नहीं, बल्कि सैकड़ों रेखा गुप्ता तैयार होंगी। छात्रा संसद के माध्यम से एबीवीपी एक विचार रूपी वट वृक्ष तैयार कर रही है, जिसकी छांव में राष्ट्र निर्माण की नींव रखी जाएगी। मैं यह गर्व से कह सकती हूं कि मैं एबीवीपीयन हूं।

एबीवीपी के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि छात्रा संसद के समापन सत्र में छात्राओं द्वारा एक मांग पत्र तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि इसे शीघ्र ही सरकार और संबंधित विभागों को सौंपा जाएगा। यह संसद केवल विमर्श का मंच नहीं बल्कि छात्राओं की जमीनी समस्याओं का समाधान निकालने और नीति निर्माण में भागीदारी सुनिश्चित करने की एक ऐतिहासिक पहल है।

कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के अध्यक्ष प्रो. मिलिंद सुधाकर मराठे, सर्वोच्च न्यायालय की अधिवक्ता मोनिका अरोड़ा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। साथ ही एबीवीपी के राष्ट्रीय महामंत्री वीरेंद्र सिंह सोलंकी, अखिल भारतीय छात्रा कार्य प्रमुख मनु शर्मा कटारिया, राष्ट्रीय मंत्री शालिनी वर्मा, दिल्ली प्रांत अध्यक्ष तपन बिहारी, केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य निव्यांग सुमेर, प्रांत सह मंत्री अपराजिता भी मंच पर उपस्थित रहीं।

छात्रा संसद में छात्राओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई और सदन के समक्ष कई महत्वपूर्ण मांगें प्रस्तुत की गईं।

छात्राओं ने शिक्षा और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए कौशल विकास पाठ्यक्रमों को लागू करने, उच्च शिक्षा में छात्राओं की बढ़ती भागीदारी को देखते हुए छात्रावासों की संख्या में वृद्धि, ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों में अध्ययन करने आने वाली छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति योजना का प्रावधान, पाठ्यक्रम में वीरांगनाओं, महिला वैज्ञानिकों, खिलाड़ियों और नेतृत्वशील महिलाओं के योगदान को सम्मिलित करने, महिला शोधार्थियों के लिए विशेष योजना एवं अनुदान सुनिश्चित करने आदि महत्वपूर्ण विषयों पर बल दिया गया।

इसके अलावा, सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीनों की अनिवार्य उपलब्धता, सार्वजनिक स्थानों पर पिंक टॉयलेट की स्थापना, निर्भया फंड की निगरानी एवं तहसील स्तर तक महिला हेल्थ डेस्क की स्थापना, साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन, आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविरों की अनिवार्यता, फास्ट ट्रैक कोर्ट की प्रभावशीलता बढ़ाने और छात्रा नेतृत्व के मंचों को संस्थानों में स्थापित करने जैसे विषयों पर भी गहन चर्चा की गई।

मधुमेह प्रबंधन में आयुर्वेद अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए सीएआरआई और एसएनपीएस के बीच समझौता।

सूडोकु नवताल- 7366

★★★★★ कठिनतम

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7365 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

दैनिक पंचांग

11 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

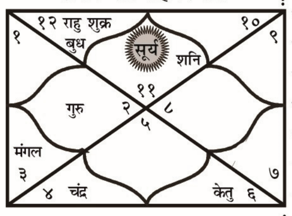

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.27 बजे से
चंद्र	कर्क में	मेष	07.57 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृष	09.37 बजे से
बुध	मीन में	मिथुन	11.36 बजे से
गुरु	वृष में	कर्क	13.49 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	16.05 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	18.17 बजे से
राहु	मीन में	तुला	20.28 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	22.42 ब.से
राहुकाल		धनु	00.58 बजे से
3.00 से 4.30 बजे तक		मकर	03.04 बजे से
		कुंभ	04.50 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 70 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** द्वादशी 08.15 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** आश्लेषा 02.16 बजे रात्र को समाप्त। **योग** अतिगण्ड 13.18 बजे को समाप्त। **करण** बालव 08.15 बजे तदनन्तर कौलव 20.40 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 11.0 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 03° 42' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872280 **जूलियन दिन** 2460745.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रमजान **तारीख** 10 **विशेष** प्रदोष व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8428

बाएँ से दाएँ

1. तरंग, हिलोर-3
3. झगड़ा, द्वेष, कहासुनी-3
5. पार्थिव देह-2
6. जरा, थोड़ा-2
8. रहस्य जानने वाला-4
10. दरवेश, औलिया, पीर-3
12. बहुतांश-3
13. राजनीतिक पार्टी-2
14. हिरासत-2
15. साजन, प्रेमी-3
17. देवर्षि-3
19. भगवान, रब, करतार -4
21. श्रवणेंद्रिय-2
23. प्राण, जीवन तत्व-2
24. द्रव पदार्थ-3
25. डोली उठाने वाले-4

ऊपर से नीचे

1. भगवान राम का एक पुत्र-2
2. दया, करुणा-3
3. शर्ट, बुशर्ट-3
4. अधिकार-2
5. भद्र, कुलीन-3
7. बड़ा भवन, कोठी-3
8. हमेशा, हर पल-4
9. यात्री, पथिक, राहगीर-2
12. कुख्यात-2,2
15. तमीज, तहजीब-3
16. रात्रि, रजनी-2
18. शोषण करना, दबाना-3
19. आसान, सीधा-3
20. नाव चलाने वाला-3
22. झुका हुआ-2
23. मर्तबान, रस का राजा-2

शब्द पहेली -8427 का हल

म	न	■	श	री	र	■	ज	ला
त	■	ह	र	म	■	न	हा	ना
■	आ	रा	म	■	रा	ज	न	■
क	स	म	■	ल	ह	र	■	त
र	न	■	ग	ल	त	■	भ	ला
म	■	स	ब	क	■	का	र	क
■	आ	ब	रू	■	ह	र	ना	■
म	ह	ल	■	का	र	ण	■	त
न	ट	■	क	ल	म	■	शा	न

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

Page-03_Layout 1 3/11/2025 12:34 AM Page 1

कलकत्ता हाईकोर्ट में बंगाल चुनावों में विदेशी नागरिकों की उम्मीदवारी पर याचिका

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में विदेशी नागरिकों के चुनावों में उम्मीदवार बनने का मामला अदालत पहुंच गया है। इस मामले मे कलकत्ता हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की गई है। याचिका में विदेशी नागरिकों के चुनावों में उम्मीदवार बनने के खतरों के बारे में बताया गया है। इस मामले की हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच 13 मार्च को सुनवाई करेगी। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम और न्यायमूर्ति चैताली चट्टोपाध्याय की खंडपीठ इस याचिका की सुनवाई करेगी। पीआईएल माणिक फकीर ने दायर की है। इस याचिका में विदेश मंत्रालय, भारत के चुनाव आयोग और पश्चिम बंगाल राज्य चुनाव आयोग को पक्षकार बनाया गया है। हाईकोर्ट सूत्रों के अनुसार, यह मामला 13 मार्च को मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली डिवीजन बेंच के समक्ष सुनवाई के लिए आएगा।

याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि पहले भी विदेशी नागरिकों के विधानसभा चुनाव और राज्य चुनाव आयोग द्वारा आयोजित पंचायत और ग्रामीण निकाय चुनावों में प्रत्याशी बनने को लेकर विवाद खड़े हो चुके हैं। इसी कारण उन्होंने भारत के चुनाव आयोग और पश्चिम बंगाल राज्य चुनाव आयोग दोनों को इस जनहित याचिका में पक्षकार बनाया है। चूंकि मामला विदेशी नागरिकों से जुड़ा है, इसलिए विदेश मंत्रालय को भी इस मामले में शामिल किया गया है। पीआईएल में तर्क दिया गया है कि चूंकि पश्चिम बंगाल में अगले वर्ष विधानसभा चुनाव होंगे। इसलिए चुनावी प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए जिम्मेदार प्रशासनिक निकायों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी विदेशी नागरिक फर्जी पहचान दस्तावेजों का उपयोग करके चुनाव न लड़ सके।

याचिकाकर्ता ने एक उदाहरण के रूप में तृणमूल कांग्रेस की पंचायत प्रमुख लवली खातून का मामला उठाया है, जो 2023 के पंचायत चुनावों में जीतकर पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के हरिश्चंद्रपुर ब्लॉक में एक ग्राम पंचायत की प्रमुख बनी थीं। बाद में यह सामने आया कि उनका असली नाम नासिया शेख है और वह 2015 में बांग्लादेश से भारत में आई थीं। उन्होंने फर्जी भारतीय पहचान दस्तावेज तैयार कर चुनाव लड़ा था। इसके अलावा याचिकाकर्ता ने 2021 के विधानसभा चुनाव में उत्तर 24 परगना जिले की बागनान (दक्षिण) सीट से तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार आलो रानी सरकार का भी उल्लेख किया है। चुनाव में उनकी हार भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी स्वपन मजूमदार के हाथों हुई थी, लेकिन बाद में कलकत्ता हाईकोर्ट में उनकी भारतीय नागरिकता को लेकर चुनाव याचिका दायर की गई। बाद में यह सामने आया कि उनका नाम बांग्लादेश की मतदाता सूची में भी दर्ज था। इस मामले पर हाईकोर्ट की आगामी सुनवाई से यह स्पष्ट होगा कि अदालत क्या निर्णय लेती है।

उत्तराखंड पुलिस ने बरेली में पकड़े 25 नशा तस्कर, मचा हड़कंप।

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पटना मेट्रो रेल परियोजना के निर्माण कार्य का निरीक्षण करते।

उत्तर रेलवे ने होली पर भीड़ प्रबंधन के लिए उठाए कई कदम

नई दिल्ली, (हि.स.)। उत्तर रेलवे ने होली के त्योहार पर घर जाने वाले यात्रियों की बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने और सुचारू परिचालन के लिए नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली और आनंद विहार टर्मिनल सहित अन्य प्रमुख स्टेशनों पर अस्थायी प्रतीक्षा कक्ष और नियंत्रण कक्ष स्थापित किए हैं। बिना टिकट यात्रियों को अब इन स्टेशनों के अंदर जाने की अनुमति नहीं होगी। केवल उन्हीं यात्रियों को स्टेशन के अंदर जाने की अनुमति होगी, जिनके पास वैध टिकट होगा। उत्तर रेलवे के सीपीआरओ हिमांशु शेखर उपाध्याय ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में होली के दौरान ट्रेन संचालन के बारे में बताया कि दिल्ली मंडल ने अपने अधिकार क्षेत्र में 6 स्टेशनों पर मिनी कंट्रोल बनाया है। इनमें नई दिल्ली, दिल्ली, निजामुद्दीन, आनंद विहार, गाजियाबाद और पानीपत स्टेशन शामिल हैं। नई दिल्ली और आनंद विहार में भीड़ बढ़ने पर सुरक्षा के लिए विशेष होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों से नियमित आरक्षित और अनारक्षित होली स्पेशल ट्रेनों की योजना बनाई गई है। 9 मार्च तक, दिल्ली मंडल से कुल 14 होली स्पेशल ट्रेनें चलाई गईं। इनमें नई दिल्ली से 5, आनंद विहार से 6, दिल्ली से 2 और दिल्ली सराय रोहिल्ला से 1 ट्रेन चलाई गई। यात्रियों को ट्रेनों में निर्बाध रूप से चढ़ाने के लिए, यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई अप्रिय घटना न हो, एक कतार विभाजक (सर्पेन्टाइन रूप) तैयार किया गया है। यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष टीमें तैनात की गई हैं कि आरक्षित टिकट वाले यात्री आसानी से अपने कोच में चढ़ सकें और कोई भी वंचित या प्रतीक्षा सूची वाला यात्री आरक्षित कोच में प्रवेश न कर सके। इसके लिए नई दिल्ली और आनंद विहार स्टेशनों पर विशेष टिकट जांच दल तैनात किया गया है।

उन्होंने कहा कि किसी भी समस्या पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को नियंत्रण कक्षों में तैनात किया गया है। इसके अतिरिक्त, स्टेशनों पर आरपीएफ जवानों की संख्या बढ़ा दी गई है। साथ ही पुरानी दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशनों पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

उपाध्याय ने कहा कि ट्रेन संचालन और भीड़ नियंत्रण की निगरानी करने और मिनी कंट्रोल के साथ समन्वय करने के लिए मौजूदा उपकरणों के अलावा विशेष ड्यूटी अधिकारी (एसडीओ) तैनात किए गए हैं। यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए होल्डिंग एरिया में टिकट बुकिंग काउंटर स्थानांतरित किए गए हैं। अधिक मांग को पूरा करने के लिए मोबाइल टिकटिंग और स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीनें पर्याप्त संख्या में तैनात की गई हैं।

उन्होंने कहा कि वाणिज्यिक टिकट जांच कर्मचारियों (टीटीई) को विशेष वर्दी प्रदान की गई है, ताकि उन्हें आसानी से पहचाना जा सके और निर्बाध टिकट जांच में मदद मिल सके। मिनी कंट्रोल के साथ बेहतर समन्वय के लिए वाणिज्यिक और आरपीएफ कर्मचारियों को वॉकी टॉकी प्रदान किए गए हैं। विशेष ट्रेनों में यात्रियों को चढ़ाने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। उदाहरण के लिए, होली स्पेशल ट्रेनों को चलाने के लिए प्लेटफॉर्म 16 को चिह्नित किया गया है। भीड़ के सुचारू प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए सभी एफओबी पर आरपीएफ की पर्याप्त तैनाती की गई है।

होली की भीड़ को ध्यान में रखते हुए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर अजमेरी गेट साइड पर कुछ बदलाव किए गए हैंः मसलन, प्लेटफॉर्म 1-15 पर प्रवेश एफओबी 3 (गेट 8), एफओबी 2 (गेट) और एफओबी 1 के माध्यम से होता है।

प्रधानमंत्री ने सीआईएसएफ कर्मियों को स्थापना दिवस पर बधाई दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के सभी कर्मियों को स्थापना दिवस पर बधाई दी।

मोदी ने कहा कि सीआईएसएफ बल को उसकी व्यावसायिकता, समर्पण और साहस के लिए सराहा जाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वे आवश्यक बुनियादी ढांचे की रक्षा करके और हर दिन अनगिनत लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करके हमारी सुरक्षा प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कर्तव्य के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता वास्तव में सराहनीय है। प्रधानमंत्री ने सीआईएसएफ कर्मियों की तस्वीरें साझा करते हुए एक्स पर पोस्ट किया, सीआईएसएफ के सभी कर्मियों को स्थापना दिवस की बधाई। इस बल को उसकी व्यावसायिकता, समर्पण और साहस के लिए सराहा जाता है।

मप्र के डॉ. आम्बेडकर नगर महू में स्थिति नियंत्रण में

इंदौर, (हि.स.)। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में डॉ. आम्बेडकर नगर महू में शनिवार की रात आईसीसी चैंपियन ट्राफी में भारतीय क्रिकेट टीम की जीत के बाद मनाए जा रहे जश्न के दौरान दो समुदायों की बीच झड़क हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने सोमवार को दोपहर तक 13 आरोपितों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। इंदौर कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी आशीष सिंह ने बताया कि डॉ. आम्बेडकर नगर महू में फिलहाल स्थिति शांतिपूर्ण और नियंत्रण में है। एहतियात के रूप में सुरक्षा के माकूल इंतजाम किये गए हैं। दोषियों की पहचान की जा रही है। आरोपितों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून(रासुका) के तहत कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि घटना की विस्तृत जांच कराई जा रही है। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जायेगा। दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। अभी तक 13 आरोपितों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। कुछ आरोपितों के विरुद्ध रासुका के तहत भी कार्रवाई की जाएगी। घटना के पश्चात डॉ. आम्बेडकर नगर महू में चौकस निगरानी रखी जा रही है। कलेक्टर ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी अफवाह पर ध्यान नहीं दें। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर कार्रवाई की जायेगी। शांति एवं कानून व्यवस्था भंग करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई होगी।

दरअसल, डॉ. आम्बेडकर नगर महू में रविवार की रात चैंपियंस ट्रॉफी में टीम इंडिया की जीत के बाद 100 से ज्यादा लोग 40 से ज्यादा बाइक पर सवार होकर जुलूस निकाल रहे थे। इसमें शामिल लोग जय श्रीराम के नारे लगा रहे थे। इसी दौरान जामा मस्जिद के पास आतिशबाजी को लेकर कुछ लोगों के साथ विवाद हो गया। पीछे चल रहे पांच-छह लोगों को दूसरे पक्ष के लोगों ने रोक लिया और मारपीट शुरू कर दी। जब इस बात का पता आगे चल रहे लोगों को लगा तो उन्होंने पत्थर फेंके।

इसके बाद दूसरे पक्ष के लोगों ने भी पत्थरबाजी शुरू कर दी। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया। बाइक सवार कुछ लोग पत्ती बाजार, कुछ कोतवाली और बाकी दूसरे क्षेत्र में निकल गए। इधर, गुस्साए लोगों ने पत्ती बाजार क्षेत्र में भी पथराव शुरू कर दिया। यहां उपद्रवियों ने पत्ती बाजार, मार्केट चौक, जामा मस्जिद, बत्तख मोहल्ला और धानमंडी में बाहर खड़ी करीब 12 से ज्यादा बाइक में आग लगा दी। दो कार में तोड़फोड़ कर आग लगा दी गई। पत्ती बाजार क्षेत्र में प्रेस क्लब के अध्यक्ष राधेलाल के घर में आग लगाई गई। बतख मोहल्ले में एक दुकान को आग के हवाले किया। मार्केट चौक में दो दुकानों के बाहर आग लगाई गई।

हालात को काबू में करने के लिए पुलिस ने पत्ती बाजार और माणक चौक क्षेत्र में लाठीचार्ज किया। पत्ती बाजार क्षेत्र में आंसू गैस के गोले छोड़े। करीब ढाई घंटे बाद रात करीब एक बजे स्थिति सामान्य हो सकी। मौके पर 10 थानों के करीब 300 से ज्यादा पुलिस अधिकारी और जवान तैनात हैं। बवाल बढ़ने पर आसपास के चार थानों के पुलिस बल को महू बुलाया गया। करीब 300 से ज्यादा पुलिस बल तैनात किया गया। कलेक्टर आशीष सिंह और डीआईजी निमिष अग्रवाल रात करीब डेढ़ बजे महू पहुंचे। उन्होंने शहर में पैदल घूमकर स्थिति का जायजा लिया।

कलेक्टर आशीष सिंह ने कहा कि पत्थरबाजी और आगजनी करने वालों की पहचान की जा रही है। किसी को नहीं छोड़ा जाएगा। सभी दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी। होली और रमजान पर शांति बनी रहे, इसके लिए पुलिस-प्रशासन तैयारी कर रहा है। एसपी ग्रामीण हितिका वासल सहित जिला प्रशासन और पुलिस के अधिकारी तुरंत ही महू पहुँचे तथा देर रात तक उपस्थित रहकर स्थिति को नियंत्रित कराया।

घटना का वीडियो सामने आने के बाद क्षेत्रीय विधायक उषा ठाकुर ने कहा कि वीडियो में जो लोग पथराव करते नजर आ रहे हैं, उन सब की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी। किसी भी उपद्रवी को बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री से बात कर पथराव करने वालों की पहचान कर सभी पर कार्रवाई होगी। देश द्रोहियों से निपटने के लिए सरकार सक्षम है।

मधुमेह प्रबंधन में आयुर्वेद अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए सीएआरआई और एसएनपीएस के बीच समझौता

नई दिल्ली, (हि.स.)। मधुमेह प्रबंधन में आयुर्वेद अनुसंधान को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, सोमवार को आयुष मंत्रालय के केंद्रीय आयुर्वेद विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) के तहत केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (सीएआरआई), कोलकाता ने स्कूल ऑफ नेचुरल प्रोडक्ट स्टडीज (एसएनपीएस), जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत प्रायोगिक पशुओं में मधुमेह के प्रबंधन में एक प्राचीन आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन, विदंगदि लौहम का मूल्यांकन किया जाएगा। मंत्रालय ने बताया कि इस शोध परियोजना में आयुर्वेद अनुसंधान के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं, जिसका उद्देश्य मधुमेह प्रबंधन में विडंगदि लौहम के उपयोग के लिए एक मजबूत वैज्ञानिक आधार स्थापित करना है। इसके निष्कर्ष मधुमेह और इसकी जटिलताओं से निपटने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले, सुरक्षित और प्रभावी आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन विकसित करने में सहायक होंगे।

इसके अलावा, इस शोध परियोजना के माध्यम से औषधीय पौधों के स्वास्थ्य लाभों को मान्य करने के लिए एक व्यापक डेटाबेस तैयार किया जाएगा जिससे वैश्विक स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य में उनकी विश्वसनीयता सुनिश्चित हो सकेगी। आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन को प्राकृतिक स्वास्थ्य-प्रचार एजेंट के रूप में लोकप्रिय बनाना भी इस समझौते का उद्देश्य है। मधुमेह एक बढ़ती वैश्विक चिंता है। इस शोध से कम से कम या बिना किसी दुष्प्रभाव के आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन के विकास को दिशा मिलेगी, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार होगा और अनगिनत व्यक्तियों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाएगा। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह में दोनों संस्थानों के अधिकारी शामिल हुए, जिनमें डॉ. जी. बाबू, निदेशक, सीएआरआई, कोलकाता, डॉ. अनुपम मंगल, सहायक निदेशक (फामाकोग्नोसी), डॉ. लालरिन पुइया, अनुसंधान अधिकारी (फामाकोलॉजी), डॉ. शरद डी. पवार, सहायक निदेशक (फामाकोलॉजी) और डॉ. राहुल सिंह, अनुसंधान अधिकारी (एईपी) शामिल थे। एसएनपीएस, जादवपुर विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए, परियोजना के निदेशक और प्रधान अन्वेषक प्रो. (डॉ.) पल्लब कांति हलदर भी मौजूद थे।

मप्र के सीधी में हुए भीषण सड़क हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर नौ हुई

सीधी, (हि.स.)। मध्य प्रदेश के सीधी जिले में सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत रविवार-सोमवार की दरमियानी रात हुए भीषण सड़क हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है। यहां पनी पेट्रोल पंप के पास एक तेज रफ्तार टैंकर और जीप के बीच सीधी भिड़ंत हो गई। इस हादसे में आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल व्यक्ति ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में 13 लोग घायल हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। घायलों में सात को गंभीर हालत में रीवा मेडिकल अस्पताल में रेफर किया गया है। मृतकों में पांच महिलाएं और चार पुरुष शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

कोतवाली थाना प्रभारी पुष्पेंद्र मिश्रा ने बताया कि राजमणि साहू अपनी बेटी का मुंडन संस्कार कराने के लिए तूफान जीप मैहर के ग्राम झोखों जा रहे थे। उनके परिवार के साथ ससुराल पक्ष के लोग भी थे। जीप में कुल 21 लोग सवार थे। सीधी में पेट्रोल पंप के पास रात करीब ढाई बजे सीधी से बहरी की ओर आ रहे तेज रफ्तार टैंकर ने जीप को सामने से टक्कर मार दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने घायलों को जीप से निकालकर अस्पताल पहुंचाया।

डीएसपी गायत्री तिवारी ने बताया कि हादसे में आठ लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हुई थी, जबकि एक गंभीर रूप से घायल व्यक्ति ने सोमवार को उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों में आठ की पहचान कुंजलाल साहू (32 वर्ष) पुत्र लखपत साहू, एतवरिया साहू (48 वर्ष) पत्नी राजमन साहू, गंगा साहू (60) पुत्र सहदेव साहू, एतवरिया साहू (50) पत्नी दीनदयाल साहू, सुखरजुआ (34) पत्नी श्यामलाल साहू, फूलकली साहू (50) पत्नी तीरथ साहू, सुशीला साहू (40) पत्नी लालमन साहू और शिवकुमार साहू (28) पुत्र राजमणि साहू के रूप में हुई है, जबकि एक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। सभी मृतक सीधी जिले के ग्राम पड़रिया और देवरी के रहने वाले थे।

गाजीपुर में युवक की हत्या आपसी रंजिश का नतीजा : वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली में कानून व्यवस्था की स्थिति संतोषजनक है और दो महीने में अपराध की घटनाओं में कमी आई है। आज दिल्ली के गाजीपुर क्षेत्र में युवक की हत्या आपसी रंजिश का नतीजा है और दिल्ली पुलिस ने इसमें संलिप्त दो अपराधियों को गिरफ्तार भी कर लिया है। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि अपराध की घटनाएं दो तरह की होती हैं, पहली वह जिसमें पेशेवर अपराधी कहीं भी लूटपाट या हत्या जैसे गंभीर अपराध करते हैं और दूसरा वह जो आपसी रंजिश के अपराध होते हैं, जिसमें रिश्तेदार एवं परिचित संलिप्त होते हैं। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली में पेशेवर अपराध की घटनाएं काफी कम हो रही हैं, हां दिल्ली में आपसी रंजिश या परिजनों मित्रजनों की संलिप्तता वाले अपराध की घटनाएं सामने आई हैं और आज गाजीपुर में युवक हत्या आपसी रंजिश का नतीजा है। हम आशा करते हैं कि दिल्ली पुलिस शहर में कुछ ऐसा जनजागरण अभियान चलायेगी, जिससे दिल्ली में संगठित एवं असंगठित दोनों अपराध कम होंगे।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में दलितों पर हो रहे अत्याचार को लेकर भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

सम्पादकीय

होली लोक रंगों का महापर्व

कहा जाता है कि वसंत ऋतु को ऋतुओं का राजा की मान्यता देने के लिए बाकी पांच ऋतुओं ने अपने में से कुछ-कुछ दिन दे दिए, इसीलिए वसंत ऋतु का आगमन विद्या और कला-संगीत की देवी मां सरस्वती के पूजन यानी वसंत पंचमी के साथ शुरू होता है। कायदे में भारतीय (हिंदू) कैलेंडर के हिसाब से सभी छह ऋतुएं-वसंत, ग्रीष्म, वर्षा, शरद, हेमंत और शिशिर, दो-दो महीने की होती है लेकिन वसंत करीब ढाई महीने का होता है। महीनों का निर्धारण विक्रमी संवत से होता है। सभी ऋतुओं की पहचान मौसम से होती है। वसंत के आगमन की सूचना वातावरण में मस्ती से होता है और वह फाल्गुन पूर्णिमा को होली (पूर्वांचल में फगुआ और आम बोलचाल में होरी) के दिन शीर्ष पर पहुंच जाता है। वातावरण में फूलों महक भी वसंत के होने का एहसास कराती है। गुलाबी ठंड, खेत पीले सरसों से भरे पड़े, उस पर मंडराते भौंरे, गेहूं की बालियां, हर तरफ फूल ही फूल, फिजा में मस्ती बिखेरते हैं। अपना देश विविधताओं का देश है। तरह-तरह की भाषा-बोली, पहनावा, खानपान और सैकड़ों पर्व-त्यौहारों को हम सभी साल भर मनाया करते हैं। अनेक त्यौहार देश के सर्वाधिक राज्यों में उत्साह से मनाया जाता है। होली भी देश के ज्यादातर राज्यों में मनाया जाने वाला त्यौहार है। होली की सबसे बड़ी विशेषता है कि वह हर वर्ग और खासकर गरीब तबके का सबसे लोकप्रिय पर्व है। ब्रज की होली की लोकप्रियता आज भी कायम है। देश-दुनिया से बड़ी तादाद में लोग मथुरा, वृंदावन, बरसाना, नंदगांव और भगवान कृष्ण और राधा-रानी से जुड़े जगहों पर लोग आते हैं। इसकी तैयारी महीनों पहले शुरू हो जाती है। किसी अनजान व्यक्ति को यह आश्चर्य लगेगा कि बड़ी तादाद में लोग कृष्ण भक्त गोपियां बनी ब्रज की महिलाओं के साथ होली खेलने और उनके डंडे झेलने (लट्ठमार होली) के लिए दूरदराज से समय और पैसे खर्च करके लोग आते हैं। यह संख्या लाखों में होती है। मान्यता है कि सभी लोग वहां इस अनुभव के लिए जाते हैं कि जैसे उन्होंने राधे-कृष्ण के साथ होली खेल ली। इसके अलावा हर राज्यों में अलग-अलग तरीके से होली खेली और गीत गाए जाते है। अलग-अलग तरह के पकवान खासकर होली के लिए बनाए जाते हैं। इतना ही नहीं अलग-अलग इलाकों में होली का नाम भी अलग है और मनाने के तरीके भी अलग है। दीपावली की तरह होली भी सालों पहले देश की सीमा पार कर अनेक देशों का बड़ा पर्व बन गया है। नेपाल तो हाल ही तक दुनिया का अकेला हिंदू देश था। वहां तो अपने देश की तरह होली पर सार्वजनिक अवकाश होता है। दुनिया के अन्य देशों में जहां भारतवंशी रहते हैं वहां होली उत्साह से मनाया जाता है। होली मिलन समारोह भी कई देशों में आयोजित होते हैं।

प्रचलित कथा है कि दैत राजा हिरण्यकश्प अपने को ही भगवान मानता था और अपनी प्रजा से इसे मनवाता था। उसने भीषण तपस्या कर अपने को अमर होने का वरदान पा लिया था। उसे वरदान था कि वह न तो दिन में और न ही रात में, न तो अस्त्र से और न ही शस्त्र से, न तो घर में न ही बाहर, न ही मनुष्य से न ही जानवर से मारा जा सकता है। उससे ठीक विपरित उसका पुत्र प्रह्लाद नारायण भक्त था। वह उसे भगवान मानने को तैयार न था। वह नारायण का भक्त था। उसे मारने के लिए हिरण्यकश्यप ने हर उपाय किए लेकिन उसे सफलता नहीं मिली। उसने बहन होलिका को प्रह्लाद को मारने के लिए जिम्मेदारी दी। उसे जलती आग में होलिका लेकर बैठी। नारायण ने होलिका को ही जला कर भक्त प्रह्लाद की रक्षा की। बाद में उन्होंने नरसिंह अवतार लेकर हिरण्यकश्प का अंत किया। कहते हैं कि तभी से होलिका को जलाने और उसकी राख से दूसरे दिन होली खेल कर खुशी मनाने की परंपरा चली। होली से भगवान कृष्ण की कथा भी जुड़ी है। वैसे बाद में राख के साथ-साथ रंग और गुलाल से होली खेलने की परंपरा चल पड़ी। कई इलाकों में गुलाब की पंखुड़ियों आदि से भी होली खेली जाती है। रंग के साथ-साथ पानी को कीचड़ के साथ होली खेलने की परंपरा भी चल पड़ी है। दरअसल, होली मेल-मिलाप और संबंधों को बेहतर बनाने का भी त्यौहार है। बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम और पूर्वांचल के राज्यों में होली खेलने की विधिवत शुरूआत वसंत पंचमी यानी सरस्वती पूजा से होती है। सरस्वती पूजा के दूसरे दिन मां सरस्वती की प्रतिमा के विसर्जन में एक दूसरे को खूब गुलाल लगाते हैं। यह परंपरा दुर्गा पूजा, काली पूजा, विश्वकर्मा पूजा के बाद प्रतिमाओं के विसर्जन के दिन भी होता है। वैसे तो बिहार आदि पूर्वांचल के राज्यों में दूल्हे की विदाई ही नहीं किसी किसी रिश्तेदार की विदाई पर भी रंग-गुलाल लगाने की परंपरा है। किसी को विदाई में सफेद कपड़ा देना अपशगुन माना जाता है इसलिए किसी की विदाई में देने वाले कपड़ों को लाल-पीले रंगों से रंग कर ही देते हैं। तभी तो बिहार के गांवों में होली के दौरान यह भी प्रचलित गीत गाया जाता है-भर फागुन बूढ़ऊ देवर लगी हें। होली में अपने इलाके के वीरों का भी बखान किया जाता है-बाबू हो कुंवर सिंह टेगवा बहादुर बंगला में उड़ेला अबीर। पूर्वांचल (बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश) के गांवों में पूरे फाल्गुन (आम बोलचाल में फागुन) में रात को किसी के दरवाजे पर होली के गीत गाने का रिवाज है। होली के दिन तो सवेरे लोग होली खेलते हैं और दोपहर से अलग-अलग टोलियों में हर दरवाजे जाकर होली गाते और होली मिलन करते हैं। उस दौरान गायकों को सूखे मेवे देने का रिवाज है। बड़े गांवों में तो दरवाजे-दरवाजे जाते हुए आधी रात होने पर लोग चैता (बीतले फगुनवा आहो चैता अईले हो राम) गाने लगते हैं। होली के दूसरे दिन से चैत की शुरूआत होती है। 15 दिन बाद से नया हिंदू संवत या नए साल की शुरूआत होती है। उसी दिन से चैत नवरात्र की शुरूवात भी होती है। पहले दिन यानी होलिका दहन के दिन उपले आदि इकट्ठा करके शाम को उसे जलाते हैं। उस आग में नई फसल गेहूं, जौ, चना आदि को भूनते हैं। होलिका को गाली देने के बहाने गाली गाने का भी रिवाज सालों से चल रहा है। होली के लिए तरह-तरह के पकवान बनने की तैयारी काफी समय से परिवार के लोग और खासकर महिलाएं करती हैं। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब इत्यादि राज्यों में गुजिया बनाने और खिलाने का रिवाज है। पूर्वांचल में चीनी और गुड़ आटे-मैदा से पुआ बनाने और खिलाने का चलन है। पुआ भी कई तरह के बनते हैं। उसके साथ कई इलाकों में कटहल की सब्जी तो मांसाहारी परिवारों में मांसाहार का चलन है। होली में उदंडता बढ़ने का एक बड़ा कारण भांग और शराब का सेवन है। होली मनानेवाले परिवारों में तो शायद ही कोई ऐसा घर होगा जिसके यहां होली पर पकवान न बनते हों। यह परंपरा तो लोगों ने शहरों में भी निभाई जा रही है। होली के गाने के बोल देश-भर में एक ही रहते हैं, भाषा जरूर बदल जाती है।

आरएनआई नं. DELHIN/2009/28518 स्वामी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक रमाकांत पाण्डेय द्वारा दिव्य भारत प्रकाशन के लिए न-93 डी नारायण नगर दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफल इंफोटेक लि., प्रेस, सी-9 सेक्टर 3 नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : रमाकांत पाण्डेय, कार्यकारी सम्पादक : आलोक पाण्डेय, फोन : 7701825882, 7905152597, पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन एवं प्रकाशन के लिए उत्तरदायी।

E-mail : newdibyabharat@gmail.com

शुचिता, सुशासन व समर्पण के संगम थे अटल बिहारी वाजपेयी

अटल विचार एवं आवाज को मूर्त रूप दे रहे हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

व्यक्तिगत जीवन में ईमानदारी, व्यवहार में शालीनता, स्वभाव में सादगी, सियासत में शुचिता, सरकार में सुशासन एवं देश के लिए समर्पण के संगम थे भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी। हम सौभाग्यशाली हैं कि विराट व्यक्तित्व, करोड़ों कार्यकर्ताओं के प्रेरणाश्रोत, संवेदनशील साहित्यकार, महान राष्ट्रभक्त और अजातशत्रु अटल बिहारी बाजपेयी जी का जन्म शताब्दी वर्ष मना रहे हैं। उन्होंने देश के लोगों के जीवन में अपने विचारों का जो प्रभाव डाला, वह सदा-सर्वदा स्मरणीय बना रहेगा। यशस्वी प्रधानमंत्री के रूप में देश के आर्थिक विकास और लोगों के सामाजिक कल्याण के लिए उनका किया हुआ योगदान 21वीं सदी के भारत को राह दिखा रहा है। उसी राह को मूर्त रूप देते हुए हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी समृद्ध और समर्थ्य भारत का निर्माण कर रहे हैं।

अपने अटल कृतित्व और विशाल व्यक्तित्व के साथ किया गया महान कार्य हमेशा राष्ट्र के बीच अमर रहेगा। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी सच्चे मायने में भारत के रत्न थे। उन्होंने जमीन से जुड़े रहकर राजनीति की और लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाई। आज उनके विचार और देश के विकास की प्रवाह को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी निरंतर आगे बढ़ा रहे हैं।

भारत की राजनीति में मूल्यों और आदर्शों को स्थापित करने वाले राजनेता और प्रधानमंत्री के रूप में किये कार्यों की बदौलत ही अटल बिहारी वाजपेयी को भारत के विकास का दूरदृष्टा कहा गया है। बात चाहे समर्थकों में समर्पण भाव पैदा करने की हो, चाहे विरोधियों का दिल जीतने की, बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी अटल बिहारी वाजपेयी दोनों में अव्वल और अद्वितीय थे। उनका सार्वजनिक जीवन बहुत ही संयमित, संस्कारित और साफ सुथरा था। इसी छवि और स्वच्छ सार्वजनिक जीवन की वजह से अटल बिहारी वाजपेयी जी का हर कोई सम्मान करता था। तभी तो उनके विरोधी भी उनके प्रशंसक थे। अटल जी के लिए राष्ट्रहित सदा सर्वोपरि रहा। अटल बिहारी वाजपेयी जी जब भी संसद में अपनी बात रखते थे, तो उनके विरोधी भी उनकी तर्कपूर्ण वाणी के आगे कुछ नहीं बोल पाता था। वहीं एक कवि के रूप में अपनी कविताओं के माध्यम से अटल जी हमेशा सामाजिक बुराइयों पर प्रहार करते रहे तो नई पीढ़ी में देशभक्ति का जोश भी भरते रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक से लेकर प्रधानमंत्री तक का सफर तय करने वाले युग पुरुष अटल बिहारी वाजपेयी जी का जन्म ग्वालियर में बड़े दिन के अवसर पर 25 दिसम्बर 1924 को हुआ था। अटल बिहारी वाजपेयी जी की बीए की शिक्षा ग्वालियर के वर्तमान में लक्ष्मीबाई कालेज के नाम से जाने वाले विक्टोरिया कालेज में हुई। ग्वालियर के विक्टोरिया कालेज से स्नातक करने के बाद अटल बिहारी वाजपेयी ने कानपुर के डीएवी महाविद्यालय से कला में स्नातकोत्तर उपाधि भी प्रथम श्रेणी में प्राप्त की। एक प्रखर वक्ता और कवि के गुण उन्हें उनके पिता से मिले। छात्र जीवन से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक बने। अपने जीवन में पत्रकार के रूप में भी काम किया और लम्बे समय तक राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत राष्ट्रधर्म, पांचजन्य, स्वदेश, वीर अर्जुन जैसे अनेक पत्र-पत्रिकाओं का सफल सम्पादन किया। अटल बिहारी वाजपेयी जी भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य थे और उन्होंने लंबे समय तक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैसे प्रखर राष्ट्रवादी नेताओं के साथ काम किया और अपनी संगठनिक कुशलता, बौद्धिक क्षमता एवं वाकपटुता से अपने दल ही देश में अपनी अलग स्थान बनाई।

अटल बिहारी वाजपेयी 1968 से 1973 तक भारतीय जनसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे। 1957 के लोकसभा चुनाव में पहली बार उत्तर प्रदेश की बलरामपुर लोकसभा सीट से जनसंघ के प्रत्याशी के रूप में विजयी होकर लोकसभा पहुंचे। 1957 से 1977 तक जनसंघ संसदीय दल के नेता रहे अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने ओजस्वी भाषणों से प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू तक को प्रभावित किया।

अटल बिहारी वाजपेयी का व्यक्तित्व बहुत ही मिलनसार और सर्वसमवेशी था। 1975 में आपातकाल लगाने का अटल बिहारी वाजपेयी ने खुलकर विरोध किया था। 1977 के लोकसभा चुनाव के बाद देश में पहली बार गैर कांग्रेसी सरकार मोरारजी देसाई के नेतृत्व में जनता पार्टी की सरकार बनी, जिसमें अटलजी को विदेश मंत्री बनाया गया। बतौर विदेशमंत्री उन्होंने पूरे विश्व में भारत की छवि बनाई। विदेश मंत्री के रूप में संयुक्त राष्ट्र में हिंदी में भाषण देने वाले देश के पहले वक्ता बने।

1980 में जनता पार्टी के टूट जाने के बाद अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने सहयोगी नेताओं के साथ भारतीय जनता पार्टी की स्थापना की। वे पार्टी के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। 1996 के लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी सबसे बड़े दल के रूप में उभरी तो अटलजी सर्वसम्मति से संसदीय दल का नेता चुने जाने के बाद अटलजी देश के प्रधानमंत्री बने। दुर्भाग्यवश यह सरकार 13 दिन तक ही चली। इसके बावजूद अटलजी ने कसक लाने के बजाय लगातार पार्टी को मजबूत बनाने में जुटे रहे। 1998 में भाजपा फिर दूसरी बार सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी और अटल बिहारी वाजपेयी दूसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने। लेकिन 13 महीने तक ही यह सरकार चल सकी। इस 13 महीने के छोटे से कार्यकाल में ही अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रधानमंत्री रहते हुए दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय दिया और पोखरण में परमाणु परीक्षण कर सम्पूर्ण विश्व को भारत की ताकत का एहसास कराया। अमेरिका और यूरोपीय संघ समेत कई देशों ने भारत पर कई तरह के प्रतिबंध लगा दिए, उसके बावजूद भारत अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में हर तरह की चुनौतियों से सफलतापूर्वक निबटने में सफल रहा। कारगिल युद्ध में जीत के बाद हुए 1999 के लोकसभा चुनाव में भाजपा फिर अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी और अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में 13 दलों से गठबंधन करके राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के रूप में सरकार बनायी। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने अपना पूरा पांच साल का कार्यकाल पूर्ण किया। इस कार्यकाल में देश के अन्दर प्रगति के अनेक आयाम छुए।

अटलजी की सरकार ने भारत के चारों कोनों को सड़क मार्ग से जोड़ने के लिए स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना की शुरूआत की और दिल्ली, कलकत्ता, चेन्नई व मुम्बई को राजमार्ग से जोड़ा गया। अटल जी को देश-विदेश में अब तक अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने 2015 में भारत के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को उनके घर जाकर सम्मानित किया। अटल जी को देश-विदेश में अब तक अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। 2015 में भारत के सर्वोच्च सम्मान भारतरत्न से पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को सम्मानित किया गया।

उनकी जन्मशती वर्ष पर उनकी पंक्तियों को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं-

बढ़ते जाते देखो हम बढ़ते ही जाते॥
उज्वलतर उज्वलतम होती है
महासंगठन की ज्वाला
प्रतिपल बढ़ती ही जाती है
चंडी के मुंडों की माला
यह नागपुर से लगी आग
ज्योतित भारत मां का सुहाग
उत्तर दक्षिण पूरब पश्चिम
दिश दिश गूंजा संगठन राग
केशव के जीवन का पराग
अंतस्थल की अवरुद्ध आग
भगवा ध्वज का संदेश त्याग
वन विजनकान्त नगरीय शान्त
पंजाब सिंधु संयुक्त प्रांत
केरल कर्नाटक और बिहार
कर पार चला संगठन राग
हिन्दु हिन्दु मिलते जाते
देखो हम बढ़ते ही जाते ॥

-तरुण चुघ

(लेखक भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री हैं)

हारे का सहारा हैं खाटू के श्री श्याम

राजस्थान के सीकर जिले में स्थित खाटू श्याम मंदिर, बाबा श्याम जी के लिए प्रसिद्ध है। यह मंदिर भारत के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में गिना जाता है। खाटू श्याम जी को भगवान श्रीकृष्ण का कलयुगी अवतार माना जाता है। दानशीलता के कारण बर्बरीक ने बिना किसी सवाल के अपना शीश भगवान श्रीकृष्ण को दान दे दिया। इसी दानशीलता के कारण श्रीकृष्ण ने कहा कि तुम कलयुग में मेरे नाम से पूजे जाओगे। तुम कलयुग का अवतार कहलाओगे और हारे का सहारा बनोगे। इसलिए उन्हें हारे का सहारा भी कहा जाता है। खाटू श्याम जी के मंदिर में दर्शन के लिए हर दिन लाखों भक्त आते हैं। यहां फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की द्वादशी को श्याम बाबा का विशाल वार्षिक मेला लगता है, जिसमें देश-विदेशों से आये करीबन 30 लाख श्रद्धालु शामिल होते हैं। खाटू श्याम का मेला राजस्थान के बड़े मेलों में से एक है।

इस मंदिर में भीम के पौत्र और घटोत्कच के पुत्र बर्बरीक की श्याम यानी कृष्ण के रूप में पूजा की जाती है। इस मंदिर के लिए कहा जाता है कि जो भी इस मंदिर में जाता है उन्हें श्याम बाबा का नित नया रूप देखने को मिलता है। कई लोगों को तो इस विग्रह में कई बदलाव भी नजर आते हैं। कभी मोटा तो कभी दुबला। कभी हंसता हुआ तो कभी ऐसा तेज भरा कि नजरें भी नहीं टिक पातीं। श्याम बाबा का धड़ से अलग शीष और धनुष पर तीन वाण की छवि वाली मूर्ति यहां स्थापित की गईं। कहते हैं कि मन्दिर की स्थापना महाभारत युद्ध की समाप्ति के बाद स्वयं भगवान कृष्ण ने अपने हाथों की थी।

श्याम बाबा की कहानी महाभारत काल से आरम्भ होती है। वे पहले बर्बरीक के नाम से जाने जाते थे तथा भीम के पुत्र घटोतकच और नाग कन्या अहिलवती के पुत्र थे। बाल्यकाल से ही वे बहुत वीर और महान योद्धा थे। उन्होने युद्ध कला अपनी मां से सीखी। भगवान शिव की घोर तपस्या करके उन्हें प्रसन्न किया और उनसे तीन अभेद्य बाण प्राप्त कर तीन बाणधारी के नाम से प्रसिद्ध हुये। अग्नि देव ने प्रसन्न होकर उन्हें धनुष प्रदान किया जो उन्हें तीनों लोकों में विजयी बनाने में समर्थ थे।

कौरवों और पाण्डवों के मध्य महाभारत युद्ध का समाचार बर्बरीक को प्राप्त हआ तो उनकी भी युद्ध में सम्मिलित होने की इच्छा जागृत हुई। जब वे अपनी मां से आशीर्वाद प्राप्त करने पहुंचे तब मां को हारे हुये पक्ष का साथ देने का वचन दिया। महाभारत के युद्ध में भाग लेने के लिये वे अपने नीले रंग के घोड़े पर सवार होकर धनुष व तीन बाणों के साथ कुरूक्षेत्र की रणभूमि की और अग्रसर हुये।

भगवान श्रीकृष्ण ने ब्राह्मण वेश धारण कर बर्बरीक से परिचित होने के लिये उसे रोका और यह जानकर उनकी हंसी भी उड़ायी कि वह मात्र तीन बाण से युद्ध में सम्मिलित होने आया है। ऐसा सुनने पर बर्बरीक ने उत्तर दिया कि मात्र एक बाण शत्रु सेना को ध्वस्त करने के लिये पर्याप्त है और ऐसा करने के बाद बाण वापस तरकश में ही आयेगा। यदि उन्होंने तीनो बाणों को प्रयोग में ले लिया गया तो तीनों लोकों में हाहाकार मच जायेगा। इस पर कृष्ण ने उन्हें चुनौती दी कि इस पीपल के पेड़ के सभी पत्रों को छेद कर दिखलाओ। जिसके नीचे दोनो खड़े थे। बर्बरीक ने चुनौती स्वीकार की और अपने तुणीर से एक बाण निकाला और ईश्वर को स्मरण कर बाण पेड़ के पत्तों की और चलाया।

तीर ने क्षण भर में पेड़ के सभी पत्तों को भेद दिया और कृष्ण के पैर के इर्द-गिर्द चक्कर लगाने लगा। क्योंकि एक पत्ता उन्होंने अपने पैर के नीचे छुपा लिया था। तब बर्बरीक ने कृष्ण से कहा कि आप अपने पैर को हटा लीजिये वर्ना ये आपके पैर को चोट पहुंचा देगा। कृष्ण ने बालक बर्बरीक से पूछा कि वह युद्ध में किस और से सम्मिलित होगा तो बर्बरीक ने अपनी मां को दिये वचन दोहराते हुये कहा कि वह युद्ध में निर्बल और हार की ओर अग्रसर पक्ष की तरफ से भाग लेगा। कृष्ण जानते थे कि युद्ध में हार तो कौरवों की ही निश्चित है। अगर बर्बरीक ने उनका साथ दिया तो परिणाम उनके पक्ष में ही होगा।

ब्राह्मण बने कृष्ण ने बालक बर्बरीक से दान की अभिलाषा व्यक्त की। इस पर वीर बर्बरीक ने उन्हें वचन दिया कि अगर वो उनकी अभिलाषा पूर्ण करने में समर्थ होगा तो अवश्य करेगा। कृष्ण ने उनसे शीश का दान मांगा। बालक बर्बरीक क्षण भर के लिये चकरा गया परन्तु उसने अपने वचन की दृढ़ता जतायी। बालक बर्बरीक ने ब्राह्मण से अपने वास्तिवक रूप में आने की प्रार्थना की और कृष्ण के बारे में सुन कर बालक ने उनके विराट रूप के दर्शन की अभिलाषा व्यक्त की। तब कृष्ण ने उन्हें अपना विराट रूप दिखाया।

उन्होंने बर्बरीक को समझाया कि युद्ध आरम्भ होने से पहले युद्धभूमि की पूजा के लिये एक वीर क्षत्रिय के शीश के दान की आवश्यक्ता होती है। उन्होंने बर्बरीक को युद्ध में सबसे बड़े वीर की उपाधि से अलंकृत कर उनका शीश दान में मांगा। बर्बरीक ने उनसे प्रार्थना की कि वह अंत तक युद्ध देखना चाहता है। श्रीकृष्ण ने उनकी यह बात स्वीकार कर ली। फाल्गुन माह की द्वादशी को उन्होनें अपने शीश का दान दिया। उनका सिर युद्धभूमि के समीप ही एक पहाड़ी पर सुशोभित किया गया जहां से बर्बरीक सम्पूर्ण युद्ध का जायजा ले सकते थे। युद्ध की समाप्ति पर पांडवों में ही आपसी खिंचाव हुआ कि युद्ध में विजय का श्रेय किसको जाता है। इस पर कृष्ण ने उन्हें सुझाव दिया कि बर्बरीक का शीश सम्पूर्ण युद्ध का साक्षी है, उससे बेहतर निर्णायक भला कौन हो सकता है। सभी इस बात से सहमत हो गये। बर्बरीक के शीश ने उत्तर दिया कि कृष्ण ही युद्ध में विजय प्राप्त कराने में सबसे महान पात्र हैं। उनकी शिक्षा, उनकी उपस्थिति, उनकी युद्धनीति ही निर्णायक थी। उन्हें युद्धभूमि में सिर्फ उनका सुदर्शन चक्र घूमता हुआ दिखायी दे रहा था जो कि शत्रु सेना को काट रहा था। महाकाली दुर्गा कृष्ण के आदेश पर शत्रु सेना के रक्त से भरे प्यालों का सेवन कर रही थी। कृष्ण वीर बर्बरीक के महान बलिदान से काफी प्रसन्न हुये और वरदान दिया कि कलियुग में तुम श्याम नाम से जाने जाओगे, क्योंकि कलियुग में हारे हुये का साथ देने वाला ही श्याम नाम धारण करने में समर्थ होगा। ऐसा माना जाता है कि एक बार एक गाय उस स्थान पर आकर अपने स्तनों से दुग्ध की धारा स्वतरू ही बहा रही थी, बाद में खुदायी के बाद वह शीश प्रकट हुआ।

एक बार खाटू के राजा को स्वप्न में मन्दिर निर्माण के लिये और वह शीश मन्दिर में सुशोभित करने के लिये प्रेरित किया गया। तदन्तर उस स्थान पर मन्दिर का निर्माण किया गया और कार्तिक माह की एकादशी को शीश मन्दिर में सुशोभित किया गया, जिसे बाबा श्याम के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है। मूल मंदिर 1027 ई. में रूपसिंह चौहान और उनकी पत्नी नर्मदा कंवर द्वारा बनाया गया था। मारवाड़ के शासक ठाकुर के दीवान अभय सिंह ने ठाकुर के निर्देश पर 1720 ई0 में मंदिर का जीर्णोद्धार कराया। मंदिर इस समय अपने वर्तमान आकार ले लिया और मूर्ति गर्भगृह में प्रतिष्ठापित किया गया था। मूर्ति दुर्लभ पत्थर से बनी है।

प्रशासन यहां की व्यवस्था को लेकर पूरा सजग है। जिला प्रशासन व मंदिर प्रबंध कमेटी ने मिलकर खाटू श्याम मंदिर परिक्षेत्र में कई नई सुविधाओं को प्रारंभ किया है। यहां के आम रास्तों को 40 फीट तक चौड़ा किया गया है। मंदिर में दर्शन करने की व्यवस्था में भी आमूलचूल परिवर्तन किया गया है। इससे मंदिर में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को काफी सुविधा हो रही है। सरकार ने मंदिर परिसर क्षेत्र के विकास की घोषणा की है।

-रमेश सर्राफ धमोरा

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

महिलाओं के प्रति नजरिया बदलने का वक्त

भारत वह देश है जहां महिलाओं की सुरक्षा और इज्जत का खास ख्याल रखा जाता है। अगर हम 21वीं सदी की बात करें तो यहां की महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिला काम कर रही है। अब तो भारत की संसद ने भी महिलाओं के लिए लोकसभा व विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का विधेयक पास कर दिया है। इससे आने वाले समय में भारत की राजनीति में महिलाओं की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण होनी तय है। देश में महिलाओं को अब सेना में भी महत्वपूर्ण पदों पर तैनात किया जाने लगा है। यह महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है।

यहां महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार है। महिलायें देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती हैं तथा विकास में भी बराबर की भागीदार हैं। आज के युग में महिला पुरुषों के साथ ही नहीं बल्कि उनसे दो कदम आगे निकल चुकी है। महिलाओं के बिना समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। भारतीय संविधान के अनुसार महिलाओं को भी पुरुषों के समान जीवन जीने का हक है। भारत में नारी को देवी के रूप में देखा गया है। कहा जाता है कि जहां नारी की पूजा होती है वहां देवता निवास करते हैं। प्राचीन काल से ही यहां महिलाओं को समाज में विशिष्ट आदर एवं सम्मान दिया जाता है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस हर साल 08 मार्च 1911 से पूरे विश्व में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य महिलाओं की सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाना है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 का थीम है-कार्रवाई में तेजी लाना।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक साल 2023 में भारत में महिलाओं के खिलाफ कुल 4,05,861 अपराध दर्ज किए गए। इनमें सबसे ज्यादा घरेलू हिंसा और यौन उत्पीड़न के मामले हैं। यह आंकड़े समाज में महिलाओं की सुरक्षा के प्रति समाज और परिवार की उदासीनता को दशार्ते हैं। 2022 में 4,45,256 मामले, 2021 में 4,28,278 मामले 2020 में 3,71,503 मामले दर्ज किए गए थे। आंकड़ों के मुताबिक प्रति एक लाख आबादी पर महिला अपराध की दर 66.4 फीसदी रिकॉर्ड की गई। भारतीय दंड संहिता के तहत महिलाओं के खिलाफ सबसे ज्यादा 31.4 फीसदी जुर्म पति या उसके रिश्तेदारों की क्रूरता के हैं। इसके बाद अपहरण के 19.2 फीसदी, शील भंग करने के इरादे से हमले के 18.7 फीसदी और दुष्कर्म के 7.1 फीसदी मामले हैं। पिछले साल देश में जितने मामले सामने आए उनमें से 2,23,635 यानी 50 फीसदी उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश में दर्ज किए गए। उत्तर प्रदेश में 2021 में महिला अपराध के 56,083 और और 2020 में 49,385 मामले दर्ज किए थे। इसके बाद राजस्थान (40,738 और 34,535), महाराष्ट्र (39,526 और 31,954), पश्चिम बंगाल (35,884 और 36,439) और मध्य प्रदेश (30,673 और 25,640) रहे थे।

भारत में वर्षों से महिला सुरक्षा से जुड़े कई कानून हैं। इसमें हिंदू विडो रीमैरिज एक्ट 1856, इंडियन पीनल कोड 1860, मैटरनिटी बेनिफिट एक्ट 1861, क्रिस्चियन मैरिज एक्ट 1872, मैरिड वीमेन प्रॉपर्टी एक्ट 1874, चाइल्ड मैरिज एक्ट 1929, स्पेशल मैरिज एक्ट 1954, हिन्दू मैरिज एक्ट 1955, फॉरेन मैरिज एक्ट 1969, इंडियन डाइवोर्स एक्ट 1969, मुस्लिम वुमन प्रोटेक्शन एक्ट 1986, नेशनल कमीशन फॉर वुमन एक्ट 1990, सेक्सुअल हर्रास्मेंट ऑफ वुमन एट वर्किंग प्लेस एक्ट 2013 आदि। इसके अलावा 7 मई 2015 को लोक सभा ने और 22 दिसम्बर 2015 को राज्य सभा ने जुवेनाइल जस्टिस बिल में भी बदलाव किया है। इसके अन्तर्गत यदि कोई 16 से 18 साल का किशोर जघन्य अपराध में लिप्त पाया जाता है तो उसे भी कठोर सजा का प्रावधान है।

राष्ट्रीय महिला आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले में उत्तर प्रदेश सबसे आगे रहा। देश भर से पूरे साल में महिलाओं के खिलाफ अपराध की 28,811 शिकायतें मिलीं। इसमें 16 हजार से ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश राज्य से आए। दूसरे नंबर पर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 2,411 मामले दर्ज किए गए। महाराष्ट्र में 1,343, बिहार में 1,312 और मध्य प्रदेश में 1,165 इतने मामले दर्ज किए गए हैं।

2023 के 12 महीने बाद जारी किए गए इस रिपोर्ट में महिलाओं के प्रति हो रहे अपराध में दहेज उत्पीड़न और दुष्कर्म जैसे अपराध दर्ज किए गए हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग की यह रिपोर्ट महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता दिखाती है। आंकड़ों के मुताबिक देश भर में यौन उत्पीड़न के 805 मामले, साइबर अपराध के 605 मामले, पीछा करने की 472 मामले और सम्मान से जुड़े अपराध के खिलाफ 409 शिकायतें दर्ज कराई गईं। आंकड़ों के मुताबिक, महिलाओं के खिलाफ अपराधों में बलात्कार के मामले भी शामिल हैं। साल 2023 में बलात्कार और बलात्कार के प्रयास के 1,537 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद गरिमा के अधिकार के तहत 8,540, घरेलू हिंसा के 6,274, दहेज उत्पीड़न के 4,797, छेड़छाड़ के 2,349, और महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता के 1,618 मामले दर्ज किए गए।

हम एक तरफ महिलाओं को हर क्षेत्र में बराबरी का दर्जा देकर उन्हे आगे बढ़ा रहें है। वहीं दूसरी तरफ उनके साथ अत्याचार की घटनाओं में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है। आये दिन हमें महिलाओं के साथ बलात्कार, दुर्व्यवहार होने की घटनाये सुनने को मिलती रहती है। ऐसी घटनाओं से महिला सशक्तीकरण के अभियान को धक्का लगता हैं। देश में महिलाओं के प्रति खराब होते माहौल को बदलने की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की ही नहीं अपितु हर आम आदमी की भी है। हम सभी को आगे आकर महिला सुरक्षा की लड़ाई में महिलाओं का साथ देना होगा तभी देश की मातृ शक्ति सर उठा कर शान से चल सकेगीं।

डीसी राजौरी ने जिला पर्यावरण योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा की

▪ स्वच्छ एवं हरित परिवेश पर ध्यान केन्द्रित करने का आग्रह किया

दिव्य भारत संवाददाता

राजौरी। उपायुक्त अभिषेक शर्मा ने आज डीसी कार्यालय के वीसी कक्ष में जिला पर्यावरण योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में पर्यावरण संरक्षण प्रयासों, अपशिष्ट प्रबंधन, वनरोपण पहलों और जिले भर में प्रदूषण नियंत्रण उपायों को बढ़ाने की रणनीतियों पर ध्यान केन्द्रित किया गया।

समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर बल देते हुए डीसी ने हितधारक विभागों से पर्यावरण क्षरण को कम करने और सतत विकास सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्रदूषण नियंत्रण उपायों को मजबूत करने, वनरोपण अभियान को बढ़ावा देने और शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में उचित अपशिष्ट निपटान तंत्र सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। पर्यावरण संरक्षण में सामुदायिक भागीदारी पर जोर दिया गया और हितधारकों से पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने का आग्रह किया गया।

अधिकारियों ने डीसी को जिला पर्यावरण योजना के तहत चल रही पहलों से अवगत कराया, जिसमें ठोस अपशिष्ट प्रबंधन रणनीतियां, वनरोपण कार्यक्रम और खनन गतिविधियों को विनियमित करने के उपाय शामिल हैं।

कार्यकारी अभियंता पीएचई को पेयजल स्त्रोतों की सफाई सुनिश्चित करने और फिल्टरेशन प्लांट, खोदे गए कुओं और अन्य जल निकायों के पास अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए, जिसमें उल्लंघन करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करना भी शामिल है। ईओ नगर पालिकाओं को संदूषण को रोकने और उचित सीवेज प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए ग्रे और काले पानी के निर्वहन पर कड़ी जांच रखने का निर्देश दिया गया।

इसके अतिरिक्त, जिला प्रदूषण अधिकारी को राजौरी शहर के लिए एक संशोधित जल निकाय योजना प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया, जिससे स्थानीय जल संसाधनों का बेहतर संरक्षण और प्रबंधन सुनिश्चित हो सके। डीसी राजौरी ने सभी विभागों को अपने-अपने पर्यावरण पहलों पर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया और ईओ नगर पालिकाओं को अपने अधिकार क्षेत्र में अपशिष्ट पृथक्करण और निपटान दिशानिर्देशों का कड़ाई से प्रवर्तन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन पर 07 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न।

डीसी राजौरी ने जिला पर्यावरण योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा की।

वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन पर 07 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

दिव्य भारत संवाददाता

श्रीनगर। राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन एवं शहद मिशन (एनबीएचएम) के तहत राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड के सहयोग से कृषि उत्पादन एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा आयोजित वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन पर सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आज कृषि परिसर लाल मंडी श्रीनगर में संपन्न हुआ। 3 मार्च से शुरू हुए सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में मधुमक्खी पालकों, किसानों, हितधारकों, छात्रों, बेरोजगार युवाओं और एफपीओ सदस्यों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्घाटन कृषि निदेशक कश्मीर (मिशन निदेशक एनबीएचएम) मोहम्मद इलियास खतीब ने किया।

आज समापन समारोह को संबोधित करते हुए कृषि निदेशक ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य मधुमक्खी पालन के क्षेत्र में नवीनतम रुझानों और प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना, मधुमक्खी पालकों के लिए कृषि में योजनाओं के अलावा किसानों के लिए वित्तीय सहायता योजनाओं को बढ़ावा देना है।

उन्होंने कृषि उत्पादकता बढ़ाने और ग्रामीण आजीविका को बनाए रखने में मधुमक्खी पालन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने मधुमक्खी पालन को एक आशाजनक कृषि-संबद्ध गतिविधि बताया। उन्होंने कहा कि एचएडीपी के तहत विभाग द्वारा संबंधित क्षेत्र के विकास के लिए विशेष परियोजनाएं/कार्यक्रम कार्यान्वित किए जा रहे हैं। प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन इकाइयों पर 80% सब्सिडी सहित वित्तीय प्रोत्साहनों के बारे में जानकारी दी गई, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में इस क्षेत्र को बढ़ावा देना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कश्मीर में मधुमक्खी पालन का अवलोकन, छत्ते के उत्पादों का मूल्य संवर्धन, मधुमक्खी पालन में चुनौतियां, आधुनिक वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन, मधुमक्खी पालकों के लिए कृषि में योजनाएं, तकनीकी चर्चा और प्रतिभागियों के बीच प्रमाण पत्र का वितरण और समापन पर सत्र हुए।

समापन समारोह में संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) सरताज अहमद शाह, उप निदेशक कृषि केंद्रीय वहीद-उ-रहमान, मुख्य कृषि अधिकारी श्रीनगर, मधुमक्खी पालन विकास अधिकारी श्रीनगर ने भी भाग लिया।

नेशनल कॉन्फ्रेंस ग्रामीण सीमावर्ती और दूरदराज के क्षेत्रों के समान विकास और प्रगति के लिए प्रतिबद्ध है

जम्मू, (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) के प्रांतीय अध्यक्ष एडवोकेट रतन लाल गुप्ता ने जम्मू-कश्मीर में ग्रामीण, सीमावर्ती और दूरदराज के क्षेत्रों के लिए समान विकास और प्रगति सुनिश्चित करने के लिए पार्टी की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। वे जम्मू में शेर-ए-कश्मीर भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने के दौरान एक सभा को संबोधित कर रहे थे। सोमवार को मनोज कुमार गुप्ता के नेतृत्व में पंचों और सरपंचों सहित समर्थकों के साथ बिलावर के प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता बाबू रामपॉल पूर्व मंत्री और सेंट्रल जोन के अध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ पार्टी नेताओं की उपस्थिति में नेशनल कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए। नए सदस्यों का स्वागत करते हुए एडवोकेट रतन लाल गुप्ता ने पिछली सरकार की खोखली नीतियों की आलोचना की जिसने युवाओं और ग्रामीण आबादी को संकट में डाल दिया है। इन क्षेत्रों में बुनियादी ढांचा और आवश्यक सेवाएं अभी भी दूर की कौड़ी हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार ने हमेशा इन हाशिए के क्षेत्रों के उत्थान को प्राथमिकता दी है और नए जोश के साथ ऐसा करना जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण, सीमावर्ती और दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोग पिछली सरकार द्वारा किए गए झूठे वादों के शिकार रहे हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस समावेशी और विकासोन्मुखी नीतियों को लागू करके इस प्रवृत्ति को उलटने के लिए समर्पित है। उन्होंने उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला जो केंद्र शासित प्रदेश के दूरदराज के क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं सहित जन-हितैषी नीतियों पर ध्यान केंद्रित करती है।

उपायुक्त ने पुंछ जिले में वन सुरक्षा और संरक्षण उपायों पर चर्चा की

दिव्य भारत संवाददाता

पुंछ। उपायुक्त विकास कुंडल ने आज यहां डीसी कार्यालय में वन संबंधी महत्वपूर्ण मुद्दों की समीक्षा और चर्चा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की मंडल वन अधिकारी (डीएफओ) ने बैठक में वन प्रभाग पुंछ के कामकाज और उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले का भौगोलिक क्षेत्रफल 1,674 वर्ग किलोमीटर है, जिसमें 951 वर्ग किलोमीटर वन भूमि शामिल है, जो कुल क्षेत्रफल का 56% है। डीएफओ ने बताया कि तीन प्रादेशिक रेंज हैः हवेली, सुरनकोट और मेंढर।

चर्चा किए गए प्रमुख मुद्दों में वन सीमाओं का सीमांकन, वन अग्नि प्रबंधन, वन अधिकार अधिनियम (एफआरए) मामले और जिले भर में नामित वन पथों में साहसिक पर्यटन की संभावना शामिल थी। बताया गया कि कुल 121 वन क्षेत्रों में से 27 में सर्वेक्षण और सीमा स्तंभों की स्थापना पूरी हो चुकी है। उपायुक्त कुंडल ने संबंधित राजस्व और वन अधिकारियों को सीमांकन प्रक्रिया के दौरान संयुक्त सर्वेक्षण करने और सीमा स्तंभों के निर्माण में तेजी लाने का निर्देश दिया। बैठक में पुंछ के अतिरिक्त उपायुक्त, सहायक आयुक्त राजस्व (एसीआर), डीएफओ (प्रादेशिक), तहसीलदार और सभी रेंज अधिकारी शामिल हुए।

डीडीसी ने रियासी जिले में ग्रामीण विकास विभाग सेक्टर की योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की

दिव्य भारत संवाददाता

रियासी। जिला विकास आयुक्त निधि मलिक ने आज जिले में ग्रामीण विकास विभाग (आरडीडी) सेक्टर की प्रगति की समीक्षा के लिए एक बैठक बुलाई। समीक्षा में मनरेगा, कैपेक्स बजट, पीएमएवाई-जी और एडीएफ जैसी प्रमुख पहलों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

डीडीसी ने परियोजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता और पारदर्शिता के उच्च मानकों को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सभी खंड विकास अधिकारियों (बीडीओ) को चल रहे विकास कार्यों की बारीकी से निगरानी करने और गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

क्षेत्र में उपस्थिति पर जोर देते हुए, उन्होंने बीडीओ को पीएमएवाई-जी लाभार्थियों की वास्तविकता की पुष्टि करने के लिए उनका सर्वेक्षण करने को कहा। उन्होंने कहा, इससे यह सुनिश्चित होगा कि योजनाओं का लाभ सही लाभार्थियों तक पहुंचे।

डीडीसी ने बीडीओ को अपने-अपने कार्यालयों और आसपास की सफाई और स्वच्छता बनाए रखने के लिए सक्रिय कदम उठाने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कचरे को जलाने के खिलाफ कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया, जो पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है।

इसके अतिरिक्त, बीडीओ को साप्ताहिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया, जिसमें इन निर्देशों के अनुपालन की रूपरेखा और स्वच्छता और गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने के लिए उठाए गए कदमों का विवरण दिया गया। समीक्षा बैठक में ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के पारदर्शी और कुशल कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया। बैठक में एडीडीसी सुखदेव सिंह सम्याल, सीपीओ नरिंदर कुमार, एसीडी प्रदीप कुमार, बीडीओ और अन्य संबंधित अधिकारी शामिल हुए।

उपायुक्त पुंछ ने आकांक्षी ब्लॉकों, पंचायतों में विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

दिव्य भारत संवाददाता

पुंछ। उपायुक्त विकास कुंडल ने आकांक्षी ब्लॉक विकास कार्यक्रम और आकांक्षी पंचायत विकास कार्यक्रम के तहत किए गए विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए आज डीसी कार्यालय परिसर के मीटिंग हॉल में एक बैठक बुलाई।

बैठक के दौरान, उपायुक्त ने संबंधित पोर्टलों से डेटा का उपयोग करते हुए कई क्षेत्रों में प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों की वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन किया। समीक्षा किए गए क्षेत्रों में स्वास्थ्य और पोषण, शिक्षा, कृषि और संबद्ध सेवाएं, बुनियादी ढांचा, पेयजल, स्वच्छता और सामाजिक विकास शामिल थे। विकास कुंडल ने कार्यक्रमों के दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करने और सटीक प्रगति को दशार्ने के लिए पोर्टल पर डेटा को नियमित रूप से अपडेट करने पर जोर दिया।

एक केंद्रित निर्देश में, उपायुक्त ने मुख्य शिक्षा अधिकारी (सीईओ) को आकांक्षी ब्लॉकों में स्कूलों के प्रमुखों के साथ जुड़ने का निर्देश दिया। उन्होंने उन्हें अपने संस्थानों में शौचालय और पेयजल सुविधाओं की उपलब्धता को प्रमाणित करने के लिए अनिवार्य किया और इन क्षेत्रों में स्कूल जाने वाले बच्चों की संक्रमण दर बढ़ाने के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके अलावा, डीसी कुंडल ने संबंधित अधिकारियों को सुधार की आवश्यकता वाले क्षेत्रों में प्रयास बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने प्रदर्शन संकेतकों को बढ़ाने और निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आह्वान किया।

डिप्टी कमिश्नर ने आकांक्षी ब्लॉकों और पंचायतों के आधुनिकीकरण और समग्र विकास के लिए संसाधनों को चैनलाइज करने के महत्व को रेखांकित किया। बैठक में पीओ आईसीडीएस, एसीडी, जिला सांख्यिकी और मूल्यांकन अधिकारी, एक्सईएन जल शक्ति, एसीपी, सीईओ, सीएमओ, सीएओ, सीएएचओ, एलडीएम बैंक, एडी एफसीएस एंड सीए, तहसीलदार बालाकोट/मनकोट, सीडीपीओ मेंढर/बालाकोट, बीडीओ और अन्य संबंधित अधिकारियों सहित विभिन्न अधिकारियों ने भाग लिया।

उपायुक्त गंदेरबल ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता की

दिव्य भारत संवाददाता

गंदेरबल। डिप्टी कमिश्नर गंदेरबल, जतिन किशोर ने आज जिले में सड़क सुरक्षा उपायों की समीक्षा और रणनीति बनाने के लिए जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में सड़क सुरक्षा कार्य योजना, सड़क सुरक्षा अधिनियम, सड़क संकेत और यातायात शांत करने के उपायों सहित प्रमुख पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया।

सड़क सुरक्षा और यातायात प्रबंधन गतिविधियों पर एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जिसमें सड़क सुरक्षा को बढ़ाने के लिए अंतर-विभागीय समन्वय की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। अधिकारियों को ब्लैक स्पॉट को ठीक करने, क्रैश बैरियर लगाने, सड़क संकेत लगाने और यातायात नियमों को लागू करने के निर्देश दिए गए, खासकर दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में।

यह बताया गया कि जिले में ब्लैक स्पॉट की पहचान की गई है, ज्यादातर सुंबल से सोनमर्ग तक राजमार्ग के किनारे।

बीकन के अधिकारियों ने बताया कि अल्पकालिक उपायों को लागू किया गया है, जबकि दीर्घकालिक समाधान के प्रस्ताव आवश्यक कार्रवाई के लिए उच्च अधिकारियों को प्रस्तुत किए गए हैं।

अधीक्षण अभियंता (एसई) आरएंडबी को एक सप्ताह के भीतर मंजूरी के लिए संशोधित सड़क सुरक्षा योजना तैयार करने का निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त, यातायात विभाग को शहर में सख्त यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने, पर्याप्त जनशक्ति तैनात करने और भीड़भाड़ को कम करने और यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए आदतन अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। संबंधित विभागों को राजमार्ग के साथ जुड़ने वाली सड़कों की पहचान करने और दुर्घटना संभावित स्थानों पर स्पीड ब्रेकर बनाने की संभावना तलाशने के लिए भी कहा गया।

बैठक में एसई आरएंडबी सर्कल गंदेरबल, सीएमओ, सीईओ, जल शक्ति, आरएंडबी और पीएमजीएसवाई के कार्यकारी अभियंता, एआरटीओ और अन्य समिति के सदस्य शामिल हुए।

उपायुक्त गंदेरबल ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता की।

Page-06_Layout 1 3/11/2025 12:36 AM Page 1

यूक्रेन की सुरक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय बल पर पेरिस में चर्चा, 30 से अधिक देश होंगे शामिल

पेरिस, (हि.स.)। फ्रांस और ब्रिटेन द्वारा प्रस्तावित यूक्रेन की सुरक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय बल की रूपरेखा पर चर्चा के लिए मंगलवार को पेरिस में 30 से अधिक देशों के सैन्य अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक होगी। इस पहल का उद्देश्य यूक्रेन में संभावित युद्धविराम के बाद रूस को दोबारा आक्रमण करने से रोकना है।

फ्रांस के एक सैन्य अधिकारी के अनुसार, यह बैठक इस विचार पर केंद्रित होगी कि कैसे एक बहुराष्ट्रीय सुरक्षा बल गठित किया जाए जो युद्धविराम लागू होने के बाद यूक्रेन की रक्षा कर सके। इस पहल में यूरोप, एशिया और ओशिनिया के कई देश शामिल होंगे, जो बैठक में व्यक्तिगत रूप से या ऑनलाइन भाग लेंगे।

फ्रांस और ब्रिटेन इस योजना पर मिलकर काम कर रहे हैं और इसे इच्छुक और सक्षम देशों के गठबंधन के रूप में देख रहे हैं, जो यूक्रेन की सुरक्षा सुनिश्चित करने में योगदान दे सकें।

फ्रांसीसी अधिकारी ने कहा कि यह सुरक्षा बल भारी हथियारों और आपातकालीन युद्ध सामग्री के भंडारण से लैस होगा, ताकि रूस द्वारा युद्धविराम तोड़ने की स्थिति में तुरंत यूक्रेन को सहायता दी जा सके।

बैठक के पहले सत्र में फ्रांस-ब्रिटेन की योजना प्रस्तुत की जाएगी, जबकि दूसरे सत्र में प्रतिभागी देश अपनी सैन्य क्षमताओं के अनुरूप योगदान देने पर चर्चा करेंगे।

फ्रांसीसी सैन्य अधिकारी ने कहा, यह मांगपत्र नहीं है, बल्कि यह देखने की प्रक्रिया है कि कौन-कौन क्या योगदान दे सकता है। हालांकि, अंतिम निर्णय राजनीतिक स्तर पर सरकारों द्वारा लिया जाएगा।

-नाटो के 32 में से 29 सदस्य देश बैठक में भाग लेंगे, जबकि क्रोएशिया, मोंटेनेग्रो और अमेरिका अनुपस्थित रहेंगे।

-अमेरिका को आमंत्रित नहीं किया गया, क्योंकि यूरोपीय देश यह दिखाना चाहते हैं कि वे यूक्रेन की सुरक्षा जिम्मेदारी स्वयं संभाल सकते हैं।

-गैर-नाटो यूरोपीय संघ सदस्य आयरलैंड, साइप्रस और ऑस्ट्रिया के सैन्य प्रतिनिधि भी बैठक में भाग लेंगे।

-ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, जापान और दक्षिण कोरिया वर्चुअल माध्यम से बैठक में शामिल होंगे।

-यूक्रेन का प्रतिनिधित्व एक सैन्य अधिकारी करेंगे, जो देश की सुरक्षा और रक्षा परिषद के सदस्य भी हैं।

यूक्रेन की सुरक्षा के लिए यह बैठक एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक और सैन्य पहल है, जो भविष्य में यूरोप की सुरक्षा रणनीति और रूस के साथ संबंधों को प्रभावित कर सकती है। इस योजना की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि देश कितनी प्रभावी रूप से सहयोग करने के लिए तैयार हैं और वे कितना सैन्य समर्थन प्रदान कर सकते हैं।

न्यू साउथ वेल्स में आई बाढ़ के बाद बाढ़ के पानी के बीच से निकलते हुए लोग।

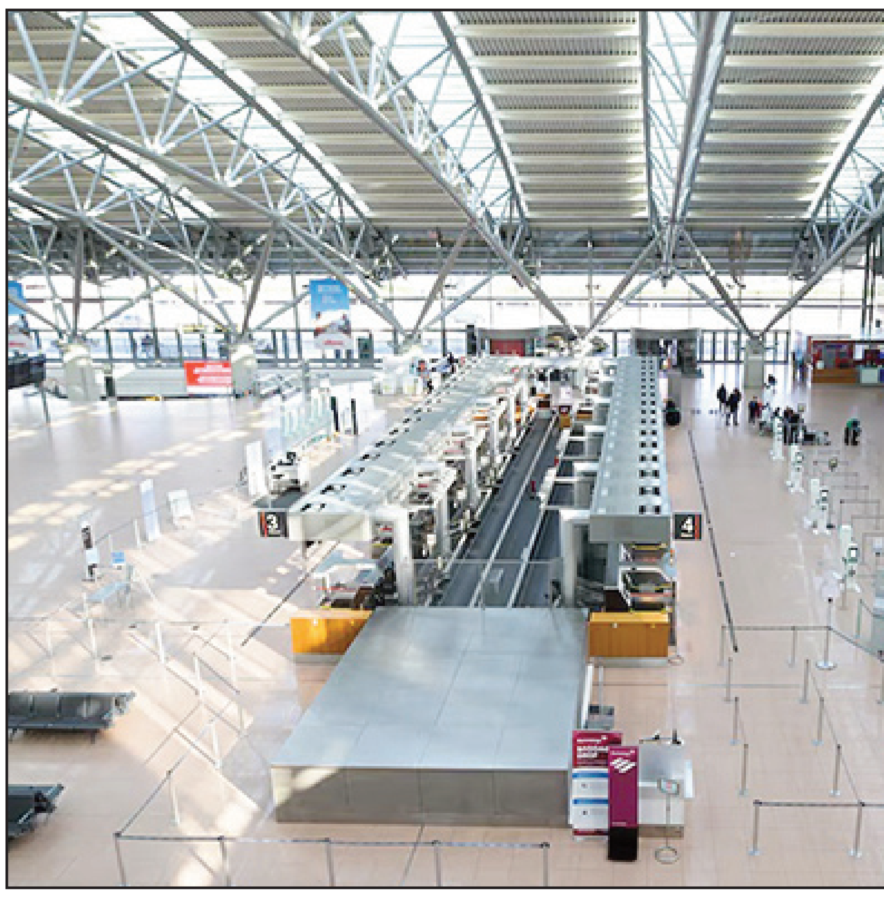

हेम्बर्ग में जर्मन एयरपोर्ट पर हड़ताल के कारण चारों ओर सन्नाटा नजर आ रहा।

कनाडा के नये पीएम होंगे मार्क कार्नी, ट्रूडो का दौर खत्म

ओटावा, (हि.स.)। कनाडा की सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी ने रविवार को जस्टिन ट्रूडो की जगह मार्क कार्नी को नया प्रधानमंत्री चुन लिया है। तीन प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ आसानी से नेतृत्व की दौड़ जीतने वाले मार्क कार्नी अगले आम चुनाव में लिबरल पार्टी की ओर से चुनाव लड़ेंगे। उनकी नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब डोनाल्ड ट्रम्प की टैरिफ धमकियों के कारण कनाडा की अर्थव्यवस्था प्रभावित होने वाली है। 9 वर्षों तक प्रधानमंत्री पद संभालने वाले ट्रूडो ने चौतरफा दबाव के बीच जनवरी में ही अपने इस्तीफे की घोषणा की थी। पूर्व केंद्रीय बैंक गवर्नर कार्नी ने रविवार को लिबरल पार्टी का नेता चुनने के लिए हुए मतदान में 85.9 फीसदी वोटों के साथ शानदार जीत हासिल की। उन्होंने तीन मजबूत प्रतिद्वंद्वियों पूर्व कैबिनेट मंत्री करीना गोल्ड, पूर्व वित्त मंत्री और उप प्रधानमंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड और पूर्व लिबरल सांसद फ्रैंक बेलिस को आसानी से हराया। 1965 में नॉर्थवेस्ट टेरिटरीज के फोर्ट स्मिथ में जन्मे कार्नी ने हार्वर्ड में अपनी पढ़ाई की। वे ब्रिटेन और कनाडा के केंद्रीय बैंकों के प्रमुख रह चुके हैं। बैंक ऑफ कनाडा के चीफ रहे कार्नी ने अपने कार्यकाल में वित्तीय संकटों का सामना किया। 2008 के वित्तीय संकट से कनाडा कई अन्य देशों की तुलना में तेजी से उबरा था। 2013 में वे बैंक ऑफ इंग्लैंड के प्रमुख बने। हालांकि मार्क कार्नी ने कभी कोई निर्वाचित पद नहीं संभाला और वे संसद के सदस्य भी नहीं हैं। अमेरिका के साथ बढ़ते टकराव को देखते हुए आगामी चुनाव में यह मुद्दा सबसे मजबूत होकर उभरेगा कि अमेरिका से मिल रही चुनौतियों और उसके साथ संबंधों को संभालने वाला बेहतर चेहरा कौन होगा।

मार्क कार्नी ने अमेरिका को दी चेतावनी, कहा-जैसे हॉकी में जीतते हैं, वैसे ही व्यापार युद्ध भी जीतेंगे

ओटावा, (हि.स.)। कनाडा के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि अमेरिका के अनुचित टैरिफ कनाडा की अर्थव्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश है, लेकिन कनाडा इस व्यापार युद्ध को उसी तरह जीतेगा जैसे वह हॉकी में जीतता है।

नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री ने यह बातें अपनी जीत के बाद दिए भाषण में कही। 59 वर्षीय कार्नी ने अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप की उस टिप्पणी की भी निंदा की, जिसमें उन्होंने कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात कही थी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, अमेरिका, कनाडा नहीं है, और कनाडा कभी भी अमेरिका का हिस्सा नहीं बनेगा। हमने इस लड़ाई की शुरूआत नहीं की, लेकिन जब कोई हमें चुनौती देता है, तो हम हमेशा तैयार रहते हैं।

कार्नी ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा के निर्माण, व्यापार और श्रमिकों पर अनुचित 25% टैरिफ लगाकर कैनेडियन परिवारों और व्यवसायों पर सीधा हमला किया है। उन्होंने कहा, हम इसे सफल नहीं होने देंगे और हम इसका पूरा जवाब देंगे।

कनाडा ने भी अमेरिका पर पलटवार करते हुए 30 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के उत्पादों पर 25% टैरिफ लगा दिए हैं। कार्नी ने घोषणा की कि जब तक अमेरिका हमें सम्मान नहीं देगा और निष्पक्ष व्यापार की गारंटी नहीं देगा, तब तक हमारे टैरिफ जारी रहेंगे।

कार्नी ने कहा कि अमेरिका और कनाडा की संस्कृतियों में मूलभूत अंतर है। उन्होंने कहा, अमेरिका एक मेल्टिंग पॉट है, जबकि कैनेडा एक सुंदर मोजेक है। हमारी भाषा, हमारी संस्कृति और हमारी पहचान हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं और हम इसे किसी भी व्यापार समझौते के लिए नहीं छोड़ेंगे।

कार्नी ने कैनेडियन नागरिकों से अपील की कि वे एकजुट होकर इस संकट का सामना करें। उन्होंने कहा, हमें ऐसे असाधारण कदम उठाने होंगे, जिनकी हमने पहले कल्पना भी नहीं की थी। हमें अपनी अर्थव्यवस्था को तेज गति से आगे बढ़ाना होगा ताकि हर नागरिक को लाभ मिले।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले मंगलवार को कनाडा पर 25% टैरिफ लगाया था, जिसके जवाब में ट्रूडो सरकार ने भी 25% टैरिफ लगाए। इसके दो दिन बाद, ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर 02 अप्रैल तक कनाडा और मेक्सिको को आंशिक छूट दी है।

बंधकों की रिहाई की मांग को लेकर इजरायल ने रोक दी बिजली सप्लाई

तेलअवीव। इजरायल और हमास के बीच दूसरे चरण के सीजफायर की संभावना बनी हुई है। लेकिन इससे पहले इजरायल ने संकटग्रस्त गाजा में बिजली की सप्लाई रोक दी है, जिससे पानी की आपूर्ति भी बाधित हुई है। हमास ने इसे इजरायल की स्टार्वेशन पॉलिसी बताया है।

इजरायल का कहना है कि वो गाजा की बिजली सप्लाई को तुरंत प्रभाव से बंद कर रहा है। इजरायल और हमास के बीच पहले चरण के सीजफायर की अवधि पिछले हफ्ते खत्म हो गई थी। ऐसे में इजरायल चाहता है कि हमास इजरायल के बाकी बचे बंधकों को भी रिहा करे। इजरायल का कहना है कि अभी भी हमास के कब्जे में 59 बंधक है। एसे में वह इन बंधकों की रिहाई चाहता है, जिस वजह से हमास पर दबाव बनाने के लिए उसने यह कदम उठाया है। इजरायल के ऊर्जा मंत्री एली कोहेन ने बताया कि उन्होंने इजराइल इलेक्ट्रिसिटी कॉर्पोरेशन को इलाके की सप्लाई रोकने का आदेश दिया है। कोहेन ने कहा कि मैंने गाजापट्टी के लिए बिजली की सप्लाई तुरंत बंद करने के आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। हम अपने पास मौजूद हर रास्ते का इस्तेमाल करेंगे ताकि बंधकों की रिहाई हो और गाजा से हमास का खात्मा सुनिश्चित किया जा सके।बता दें कि बीते सप्ताह इसराइल ने गाजा में राहत सामग्री, तेल और दूसरी चीजें लेकर जाने वाली गाडियों का रास्ता रोक दिया था। उसका कहना था कि वो पानी सप्लाई बंद करने के बारे में भी विचार कर रहा है। मालूम हो कि इजरायल और हमास युद्धविराम समझौते का पहला चरण एक मार्च को खत्म हो गया था। इसके बाद से इजरायल की ओर से गाजा पर हमले जारी है। इजरायली सेना आईडीएफ का कहना है कि यह हमला हमास के आतंकियों को निशाना बनाने के लिए किया गया था।

प्रधानमंत्री ओली ने भारत के साथ हुए सभी समझौते को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई

काठमांडू, (हि.स.)। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने भारत के साथ किए गए सभी समझौते के कार्यान्वयन को लेकर प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने महाकाली संधि से लेकर टनकपुर संधि तक और पंचेश्वर से लेकर अन्य सभी समझौते को आगे बढ़ाकर कार्यान्वयन करने की बात दोहराई है।

सुदूर पश्चिम प्रदेश के विधानसभा को सोमवार को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि इस प्रदेश के विकास के लिए भारत के साथ हुए कई समझौते को आगे बढ़ाने के लिए उनकी सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि नेपाल का सबसे पिछड़ा प्रदेश होने के कारण इसके विकास के लिए भारत के साथ कई समझौते किए गए हैं जिसे आगे बढ़ाने का समय आ गया है।

प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि भारत के साथ लंबे समय से पंचेश्वर बहुउद्देशीय समझौता अब तक लंबित है, जिसे पूरा करने के लिए दोनों देशों के बीच में लगातार बातचीत हो रही है। ओली ने कहा कि जबसे उनके नेतृत्व में सरकार बनी है तब से भारत के साथ हुए पंचेश्वर समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए वार्ता जारी है और निकट भविष्य में ही इसके पूरा होने की उम्मीद है।

उन्होंने भारत सरकार के सहयोग से महाकाली नदी पर बन रहे मोटरेबल पुल के निर्माण का कार्य अंतिम चरण में होने और जल्द ही इसका उद्घाटन होने की जानकारी दी। ओली ने कहा कि भारत और नेपाल द्वारा संयुक्त रूप से बनाए जा रहे दोधारा चांदनी ड्राईपोर्ट का निर्माण कार्य भी शुरू हो चुका है जिससे इस प्रदेश के विकास में काफी मदद मिलने वाली है।

प्रदेश के विधानसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि सुदूर पश्चिम प्रदेश में एक मेडिकल विश्वविद्यालय के निर्माण के लिए भी भारत सरकार से बातचीत चल रही है और उन्हें विश्वास है कि भारत सरकार इसमें मदद करेगी। उन्होंने उत्तराखंड और सुदूर पश्चिम प्रदेश के बीच घनिष्ठ धार्मिक और सांस्कृतिक संबंध के कारण इस प्रदेश के धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उत्तराखंड सरकार के सहयोग से एक बड़ी परियोजना तैयार होने की जानकारी भी दी है।

अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड्स में गिरावट, ट्रंप की चेतावनी से मंदी की आशंका गहराई

वाशिंगटन, (हि.स.)। अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड्स सोमवार को गिर गईं, क्योंकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हालिया टिप्पणियों ने संभावित आर्थिक मंदी को लेकर नई चिंताओं को जन्म दिया है। दरअसल, ट्रंप ने रविवार को एक साक्षात्कार में यह कहने से इनकार कर दिया कि अमेरिका आर्थिक मंदी का सामना करेगा या नहीं। उन्होंने इसे संक्रमण काल करार दिया, जिससे बाजार में अनिश्चितता और बढ़ गई। बीते शुक्रवार को अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने कहा था कि देश की अर्थव्यवस्था सरकारी खर्च से निजी खर्च की ओर बढ़ रही है। उन्होंने इसे डिटॉक्स पीरियड बताया, जो अर्थव्यवस्था को संतुलित करने के लिए आवश्यक है। हालांकि, बाजार विशेषज्ञ इस बदलाव को लेकर चिंतित हैं। एफएचएन फाइनेंशियल के मैक्रो रणनीतिकार विल कॉम्परनोल ने कहा, यदि व्हाइट हाउस में बैठे व्यक्ति को खुद अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लघु अवधि के विकास पर भरोसा नहीं है, तो बाजार को क्यों होना चाहिए?

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार इस डिटॉक्स प्रक्रिया को अल्पकालिक पीड़ा के रूप में देख रही है, तो असली खतरा यह है कि अगर यह प्रयोग असफल हो गया, तो सरकार के पास मंदी को रोकने के लिए आवश्यक उपाय नहीं होंगे।

-10 वर्षीय अमेरिकी ट्रेजरी नोट की यील्ड 8.2 आधार अंक गिरकर 4.236% हो गई।

-2 वर्षीय ट्रेजरी नोट की यील्ड 7.3 आधार अंक गिरकर 3.929% पर आ गई।

-2 वर्षीय और 10-वर्षीय ट्रेजरी यील्ड का अंतर एक आधार अंक बढ़कर 31 आधार अंक हो गया।

अमेरिकी बाजार पहले से ही ट्रंप प्रशासन की व्यापार नीतियों के कारण अस्थिर है। मैक्सिको, कनाडा और चीन पर लगाए गए अनिश्चितकालीन टैरिफ के कारण निवेशकों के बीच असमंजस की स्थिति बनी हुई है। विश्लेषकों का मानना है कि इस अनिश्चितता के कारण निवेशकों का विश्वास कमजोर हुआ है, जिससे बॉन्ड मार्केट में अस्थिरता बढ़ी है। ट्रंप प्रशासन द्वारा टैरिफ नीति के अस्पष्ट क्रियान्वयन ने यह स्पष्ट नहीं किया कि ये शुल्क कब तक लागू रहेंगे और अर्थव्यवस्था पर इनका दीर्घकालिक प्रभाव क्या होगा।

कनाडा में बैंक ऑफ इंग्लैंड के पूर्व गवर्नर मार्क कार्ने व इला ग्रेस मार्गेट एक दूसरे को गले लगाते हुए। मार्क जस्टिन ट्रूडो की जगह पर कनाडा के नय प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं।

पूर्व राजा के समर्थन में उमड़े जनसैलाब से नेपाल की राजनीति में उबाल, प्रमुख राजनीतिक दलों ने राजा को दी नसीहत

काठमांडू, (हि.स.)। काठमांडू में पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह के समर्थन में उमड़े जनसैलाब के बाद नेपाली राजनीति में हलचल देखी जा रही है। नेपाल के प्रमुख राजनीतिक दल के नेताओं ने पूर्व राजा का विरोध करते हुए उन्हें अपने दायरे में रहने, लोकतंत्र के खिलाफ काम नहीं करने और जनता को उकसाने का काम नहीं करने की नसीहत दी है।

रविवार को काठमांडू हवाईअड्डा से लेकर उनके निवास तक लाखों की संख्या में लोग सड़क पर आकर पूर्व राजा के पक्ष में की गई नारेबाजी से प्रमुख दल के नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। नेपाली कांग्रेस के नेता तथा गृहमंत्री रमेश लेखक ने चेतावनी देते हुए पूर्व राजा को अपने दायरे में रहने की नसीहत दी है। उन्होंने कहा कि यदि पूर्व राजा इस समय की व्यवस्था को नहीं मानेंगे तो उन्हें राज्य की तरफ से दी जा रही सुरक्षा और अन्य सुविधाएं वापस ले ली जाएंगी। गृहमंत्री ने यह भी कहा कि पूर्व राजा की गतिविधियां संविधान और कानून के विपरीत हैं। इस तरह की गतिविधियों के कारण उन्हें कानून के दायरे में भी लाया सकता है।

पूर्व राजा के पक्ष में लोगों में बढ़ते आकर्षण से सत्तारूढ़ दल नेकपा एमाले पार्टी ने भी नाराजगी व्यक्त की है। पार्टी के महासचिव शंकर पोखरेल ने कहा कि यदि पूर्व राजा को सत्ता में वापसी करनी है तो उन्हें राजनीति में आने की खुली छूट है। लेकिन इस तरह से समाज में अस्थिरता फैलाकर सत्ता पर पुनः बैठने का सपना त्यागने का सुझाव देते हुए अपना दल बनाने की चुनौती दी है।

पोखरेल ने कहा कि इस संविधान में राजसंस्था के लिए कोई स्थान नहीं है। यदि पूर्व राजा को देश में राजसंस्था की पुनर्बहाली करनी है तो उन्हें राजनीति में आकर चुनाव लड़ना चाहिए और दो-तिहाई बहुमत लाकर अपने हिसाब से संविधान के बदलाव कर सकते हैं। एमाले महासचिव ने भी पूर्व राजा को अपनी गतिविधियों नहीं रोकने पर गंभीर परिणाम की चेतावनी दी है।

सिर्फ सत्ता पक्ष ही नहीं विपक्ष में रहे माओवादियों की तरफ से भी पूर्व राजा के खिलाफ बयान जारी किया गया है। माओवादी के प्रवक्ता पंगा भुसाल ने अपने बयान में कहा है कि पूर्व राजा की गतिविधियों से अब तक प्राप्त उपलब्धियां खतरे में आने का संकेत है। जिस राजतंत्र को जड़ से खत्म करने के लिए माओवादी को दस वर्षों तक जनयुद्ध करना पड़ा, हजारों लोगों को बलिदान देना पड़ा, उस राजतंत्र के फिर से सक्रिय होने के कारण देश का गणतंत्र खतरा में आ गया है। माओवादी ने तत्काल सभी प्रमुख राजनीतिक दलों की बैठक बुलाकर पूर्व राजा के खिलाफ कार्यवाही के बारे में सोचने की मांग की गई है। इसी तरह जनता समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष उपेन्द्र यादव ने भी संविधान, गणतंत्र और धर्मनिरपेक्षता की रक्षा के लिए पूर्व राजा को कानूनी दायरे में लाने की मांग की है। उपेन्द्र यादव ने कहा कि देश के संविधान से ऊपर कोई नहीं होता है और पूर्व राजा की गतिविधियां संविधान के खिलाफ में हैं। उन्होंने कहा कि समय रहते इस पर नियंत्रण नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में संविधान खतरा में पड़ सकता है।

चमचमाती ट्रॉफी के साथ रोहित शर्मा ने आलोचकों को दिया करारा जवाब

नई दिल्ली, (हि.स.)। दुबई में खेले गए चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में रोहित शर्मा ने 76 रनों की शानदार पारी खेलकर अपनी टीम को खिताबी जीत दिलाई। बीते छह महीनों में रोहित के लिए यह सफर उतार-चढ़ाव से भरा रहा, जहां रन बनाने में कठिनाइयों के कारण उन्हें टीम से खुद को बाहर तक करना पड़ा था। लेकिन जैसा कि कहा जाता है, अंधेरे के बाद उजाला जरूर आता है। रोहित के लिए यह उजाला नहीं, बल्कि चमक, दीप्तिमान और गौरवशाली था।

रोहित की बल्लेबाजी शैली को लेकर दिग्गजों ने सवाल उठाए थे, खासकर उनकी छोटी पारियों की आलोचना हो रही थी। लेकिन फाइनल मुकाबले में उनकी पारी ने सभी आलोचकों को चुप करा दिया। 41, 20, 15 और 28 रनों की पारियों के बाद उन्होंने सबसे महत्वपूर्ण मैच में 76 रन बनाकर टीम को जीत की राह पर ला खड़ा किया।

रोहित की बल्लेबाजी में आक्रामकता के साथ-साथ दृढ़ता भी नजर आई। उन्होंने पावरप्ले में तेजी से रन बटोरने की कोशिश की ताकि बाद में टीम को परेशानी न हो। धीमी पिचों पर रन बनाना मुश्किल था, लेकिन उन्होंने हर मैच में खुद को साबित करने की कोशिश जारी रखी।

रोहित न केवल बल्लेबाज बल्कि एक बेहतरीन कप्तान भी हैं। उन्होंने भारत को चार आईसीसी फाइनल्स तक पहुंचाया, जिनमें से दो में जीत हासिल की। कप्तान के तौर पर उनकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी टीम को ऊर्जावान और प्रतिबद्ध बनाए रखना था, और उन्होंने इसे बखूबी निभाया।

उन्होंने आलोचनाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, हर बार फील्ड पर उतरने का मतलब यह नहीं होता कि हम हर मुकाबला जीतेंगे। खेल में हार-जीत होती रहती है। हमने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज गंवाई, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि टीम कमजोर हो गई है। यह खेल का हिस्सा है।

रोहित का मानना है कि भारतीय टीम बेहद प्रतिभाशाली है और इसमें कोई संदेह नहीं कि यह दुनिया की सबसे बेहतरीन टीमों में से एक है। उन्होंने पूर्व कोचों और कप्तानों का भी आभार जताया और कहा, यह सिर्फ मेरी मेहनत नहीं है, बल्कि मुझसे पहले के कप्तानों, कोचों जैसे राहुल द्रविड़ और गौतम गंभीर का भी योगदान रहा है। भारत एक शानदार टीम है।

रोहित शर्मा ने अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई और यह साबित कर दिया कि वे न सिर्फ एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं बल्कि एक आत्मनिर्भर और समर्पित कप्तान भी हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में उनकी यह पारी हमेशा याद रखी जाएगी।

डब्ल्यूपीएल समिति में हुए अहम बदलाव

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने वुमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) समिति में अहम बदलाव किए हैं। बीसीसीआई के मानद संयुक्त सचिव चुने जाने के बाद रोहन गौस देसाई को डब्ल्यूपीएल समिति में शामिल किया गया है।

इसके अलावा दिलशेर खन्ना को भी आठ सदस्यीय समिति में नामित किया गया है। यह बदलाव प्रभतेज भाटिया के बीसीसीआई के मानद कोषाध्यक्ष चुने जाने के बाद हुआ है, क्योंकि वह पहले डब्ल्यूपीएल समिति के सदस्य थे। बीसीसीआई ने इन नियुक्तियों के जरिए डब्ल्यूपीएल संचालन को और मजबूत करने का प्रयास किया है।

रोजर बिन्नी (अध्यक्ष), देवजीत सैकिया (संयोजक), अरुण सिंह धूमल (आईपीएल अध्यक्ष), राजीव शुक्ला (बीसीसीआई उपाध्यक्ष), प्रभतेज भाटिया (बीसीसीआई मानद कोषाध्यक्ष), रोहन गौस देसाई (बीसीसीआई मानद संयुक्त सचिव), मधुमति लेले (सदस्य), दिलशेर खन्ना (सदस्य)।

नीदरलैंड में महिलाओं की चार गुणा 400 मीटर विवादों में रही। इसमें डच टीम को पहले अयोग्य घोषित कर दिया गया और फिर विजेता घोषित कर दिया गया।

हांगकांग में स्नूकर विश्व कप के साथ जश्न मनाते हुए नील रोबर्टसन।

हम ऑस्ट्रेलिया के कठिन दौरे के बाद वापसी करना चाहते थे : कोहली

दुबई, (हि.स.)। भारत ने रविवार (9 मार्च) को न्यूजीलैंड को हराकर चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब अपने नाम किया। इस ऐतिहासिक जीत के बाद स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने टीम के प्रदर्शन पर खुशी जताई और इस खिताबी सफर को संपूर्ण टीम प्रयास करार दिया।

मैच के बाद विराट कोहली ने कहा, हम ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद वापसी करना चाहते थे और एक बड़ा टूर्नामेंट जीतना हमारी प्राथमिकता थी। यह एक अविश्वसनीय अहसास है। हमारी टीम में कई प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी हैं जो भारतीय क्रिकेट को सही दिशा में आगे ले जा रहे हैं। उनके साथ खेलना और अपने अनुभव को साझा करना शानदार अनुभव है।

कोहली ने इस जीत को टीम के सामूहिक प्रयास का नतीजा बताया। उन्होंने कहा, टूर्नामेंट के हर मैच में किसी न किसी खिलाड़ी ने आगे बढ़कर अहम भूमिका निभाई। खिताब जीतने के लिए यह जरूरी होता है कि पूरी टीम मिलकर प्रदर्शन करे, और हमने यही किया। इस पूरी प्रतियोगिता में सभी ने किसी न किसी मोड़ पर योगदान दिया, और यही हमारी जीत की असली वजह है।

अनुभवी बल्लेबाज ने कहा कि वह युवा खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करने और उन्हें तैयार करने की कोशिश करते हैं। हमारा प्रयास यही है कि जब हम खेल छोड़ें, तो भारतीय टीम पहले से ज्यादा मजबूत हो। शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल और हार्दिक पांड्या जैसे खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं और भारतीय क्रिकेट सही दिशा में आगे बढ़ रहा है।

विराट कोहली ने न्यूजीलैंड टीम की भी तारीफ की और कहा, वे अपनी सीमित संसाधनों के बावजूद हर टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं। उनकी रणनीति और फील्डिंग विश्व स्तरीय है। केन विलियमसन मेरे अच्छे दोस्त हैं।

हालांकि इस बार वह हारने वाली टीम में थे, लेकिन मैं भी कई बार उनकी टीम के खिलाफ हार चुका हूं। हमारे बीच सिर्फ सम्मान और आपसी प्यार है।

भारत की इस ऐतिहासिक जीत के साथ विराट कोहली ने एक बार फिर साबित कर दिया कि अनुभव और युवा जोश का मेल किसी भी टीम को चैंपियन बना सकता है।

चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के बाद पुरस्कार वितरण समारोह में नहीं दिखा पीसीबी का कोई भी प्रतिनिधि

नई दिल्ली, (हि.स.)। चैंपियंस ट्रॉफी का 20 दिनों तक चला क्रिकेट महाकुंभ दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में रविवार को भारत के चैंपियन बनने के साथ समाप्त हुआ। भारत की ऐतिहासिक जीत के बाद पाकिस्तान की ओर से एक नया विवाद खड़ा हो गया। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) का कोई भी प्रतिनिधि ट्रॉफी वितरण समारोह में मौजूद नहीं था।

पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने इस मुद्दे को सोशल मीडिया पर उठाते हुए कहा, भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी जीत ली, लेकिन मुझे एक अजीब बात नजर आई। पीसीबी की ओर से कोई भी मंच पर मौजूद नहीं था, जबकि पाकिस्तान इस टूर्नामेंट का मेजबान था। यह मेरे लिए समझ से बाहर है कि इस वैश्विक मंच पर कोई प्रतिनिधि क्यों नहीं था। वहां पीसीबी के किसी भी सदस्य को नहीं देखा गया।

रिपोर्ट्स के मुताबिक टूर्नामेंट के मेजबान होने के बावजूद पीसीबी का कोई भी निर्वाचित सदस्य दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में मौजूद नहीं था। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी समापन समारोह के लिए दुबई नहीं पहुंचे। उनकी जगह सुमैर अहमद, जो पाकिस्तान चरण के टूर्नामेंट निदेशक थे, पीसीबी का प्रतिनिधित्व करने के लिए भेजे गए थे।

हालांकि, प्रोटोकॉल के अनुसार केवल बोर्ड के निर्वाचित सदस्य या निदेशक ही मंच पर आ सकते थे, पीसीबी के कर्मचारी नहीं। इसी कारण सुमैर अहमद को मंच पर आमंत्रित नहीं किया गया। टूर्नामेंट के दुबई चरण के निदेशक आंद्रे रसेल भी मौजूद थे, लेकिन उन्हें भी मंच पर बुलाया नहीं गया।

दिल्ली

ईवी पॉलिसी का लक्ष्य दिल्ली की सड़कों पर इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना : पंकज कुमार सिंह

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के परिवहन मंत्री पंकज कुमार सिंह ने दिल्ली में ईवी 2.0 पॉलिसी की समीक्षा की और प्रस्तावित ईवी पॉलिसी 2.0 की मुख्य विशेषताओं का उल्लेख किया। नई पॉलिसी का उद्देश्य दिल्ली की सड़कों पर इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना है, जिससे दिल्ली देश में ईवी पॉलिसी को अपनाने में अग्रणी भूमिका निभा सके।

समीक्षा के दौरान नई ईवी पॉलिसी 2.0 के उद्देश्यों को अमल में लाने के लिए सभी बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा हुई।

पंकज सिंह ने कहा कि प्रस्तावित दिल्ली ईवी पॉलिसी 2.0 सार्वजनिक परिवहन में दिल्ली के नेतृत्व को और मजबूत करेगी, जिससे राजधानी में वायु प्रदूषण में काफी कमी आएगी। प्रस्तावित दिल्ली ईवी पॉलिसी 2.0 में सभी सीएनजी ऑटो-रिक्शा, टैक्सियों और हल्के वाणिज्यिक वाहनों को चरणबद्ध तरीके से बदला जाएगा। सरकार सार्वजनिक परिवहन प्रणाली के अंतर्गत चलने वाले सभी बसों के स्थान पर प्राथमिकता के आधार पर ई बसों को दिल्ली की सड़कों पर उतारेगी।

ईवी पॉलिसी को प्रमोट करने के लिए पॉलिसी 2.0 में इलेक्ट्रिक दोपहिया, तिपहिया, ई-एलसीवी (हल्के वाणिज्यिक वाहन) और ई-ट्रकों के खरीद को सरकार प्रोत्साहित करेगी। नीति में आईसीई इंजन वाहनों से ईवी में बदलाव को प्रोत्साहित करने के लिए स्क्रैपिंग और रेट्रोफिटिंग प्रोत्साहन भी शामिल हैं।

ईवी पॉलिसी 2.0 में ईवी वाहनों के परिचालन के साथ-साथ उनकी चार्जिंग स्टेशन को भी स्थापित करने की नीति शामिल है। इसमें सार्वजनिक चार्जिंग पॉइंट स्थापित करने की समुचित प्लान है। यह नीति नए भवनों और सार्वजनिक स्थानों में चार्जिंग स्टेशन अनिवार्य करती है। निजी और सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों के लिए सब्सिडी प्रदान करती है और रिंग रोड और बाहरी रिंग रोड सहित प्रमुख सड़कों पर फास्ट-चार्जिंग कॉरिडोर स्थापित करना शामिल है। ईवी पॉलिसी को प्रोत्साहित करने के लिए एक समर्पित स्टेट ईवी फंड बनाया जाएगा। इसे ग्रीन लेवी, प्रदूषण सेस और एग्रीगेटर लाइसेंस शुल्क के माध्यम से फंड जमा किया जाएगा। यह नीति कमर्शियल वाहनों के लिए भी ईवी पॉलिसी को अनिवार्य करती है और रेग्युलेटरी उपायों को भी मजबूत करती है। इसके अतिरिक्त ईवी पॉलिसी कौशल विकास और रोजगार सृजन प्रमुख क्षेत्र हैं।

इसमें ईवी गाड़ियों की खरीद, उनकी सर्विसिंग, बैटरी और लोन संबंधी और नए जॉब सृजन का भी लक्ष्य है। दिल्ली कौशल और उद्यमिता विश्वविद्यालय (डीएसईयू) के सहयोग से ईवी मैकेनिक और ड्राइवरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। सरकार एक समर्पित दिल्ली क्लीन मोबिलिटी सेंटर (डीसीएमसी) के माध्यम से प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो पॉलिसी कार्यान्वयन की निगरानी करेगा और दिल्ली के सभी परिवहन व्यवस्था को इलेक्ट्रिक मोड में परिवर्तन को प्रेरित करेगा।

दिल्ली सरकार के ईवी पॉलिसी के शुरू होने से ईवी वाहनों के पंजीकरण, चार्जिंग पॉइंट, बैटरी स्वैपिंग स्टेशनों के साथ अपने चार्जिंग बुनियादी ढांचे का विस्तार किया है। यह नीति बड़े स्तर पर ईवी नीति को बढ़ावा देने सब्सिडी प्रदान करने और ईवी विकास के लिए एक सक्षम इकोसिस्टम बनाने में सहायक रहा है।

कांग्रेस ने महिला आरक्षण को लेकर जंतर-मंतर पर किया प्रदर्शन

नई दिल्ली, (हि.स.)। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने सोमवार को महिला कांग्रेस की अन्य सदस्यों के साथ लोकसभा और विधानसभाओं में 33 फीसदी महिला आरक्षण को तत्काल लागू करने की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर धरना प्रदर्शन किया।

अलका लांबा ने केंद्र सरकार पर महिला आरक्षण को संसद में पारित होने के बावजूद इसके कार्यान्वयन में देरी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, यह कानून यूपीए सरकार ने पारित किया था लेकिन इस सरकार ने इसके नाम पर वोट मांगते हुए इसे दस साल तक रोक कर रखा।

उन्होंने कहा, आज सत्ता में होने के बावजूद, भाजपा ने इस कानून को लागू नहीं किया है। कांग्रेस के विधायक इसे लागू करने के लिए लड़ते रहेंगे।

कांग्रेस नेता ने कहा कि उनका इरादा हाशिए पर मौजूद महिलाओं की आवाज बनने का है। उन लोगों के लिए खड़े हैं, जो पीड़ित और असहाय हैं। हमारी लड़ाई उनके खोए हुए आत्मविश्वास और सम्मान को बहाल करने के लिए है।

उन्होंने कहा कि आज से संसद का सत्र आरंभ हो रहा है, जो लगभग एक महीने तक चलेगा। इस सत्र में अखिल भारतीय महिला कांग्रेस के विधायकों की मांग है कि संसद के सत्र के दौरान महिलाओं के लिए बात की जाए।

उन्होंने कहा कि लोकसभा, राज्यसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने का विधेयक पारित कर चुकी है लेकिन केंद्र सरकार इसे क्रियान्वित नहीं कर रही है। इसे लेकर कांग्रेस के विधायक विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विधायक महिला आरक्षण कानून को लागू करने की मांग करते हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और सांसद प्रियंका गांधी चिंताओं को उठाएंगे। राज्यसभा में हमारी वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी इसकी वकालत करेंगी।

लांबा ने कहा कि एक साल पहले उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को पत्र लिखकर महिलाओं की चिंताओं पर चर्चा के लिए एक बैठक बुलाने का अनुरोध किया था लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। उन्होंने कहा, मैं राष्ट्रपति मुर्मु से आग्रह करती हूं कि वह हमसे मिलें, महिलाओं की शिकायतें सुनें और उनके लिए न्याय सुनिश्चित करें।

मकान का छज्जा गिरा, एक की मौत

नई दिल्ली, (हि.स.)। द्वारका जिले के डाबड़ी इलाके स्थित महावीर एन्क्लेव में सोमवार दोपहर एक मकान का छज्जा अचानक गिर गया। छज्जा गिरने से एक युवक उसकी चपेट में आ गया। गंभीर हालत में उसे नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान महावीर एन्क्लेव निवासी मोहम्मद काशिफ (22) के रूप में हुई है। फिलहाल पुलिस मकान मालिक शोएब अख्तर से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबिक शोएब अख्तर परिवार के साथ डाबड़ी इलाके स्थित महावीर एन्क्लेव में रहते हैं। शोएब अख्तर का निजी कारोबार है।

दमकल विभाग के अनुसार सोमवार दोपहर करीब 01:55 बजे सूचना मिली कि एक मकान गिर गया है। उसके बाद स्थानीय पुलिस के अलावा दमकल कीदो गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकल अधिकारी मुकुल ने बताया कि घटनास्थल पर पहुंचने पर पता चला कि मकान का छज्जा गिरा है। मलबे मेंएक युवक दब गया है। घटनास्थल पर जेसीबी को बुलाकर मलबा हटाकर घायल को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषितकर दिया। मुकुल के अनुसार जिस मकान में हादसा हुआ वह 100 गज में बना हुआ है। मकान की पहली मंजिल 50 प्रतिशत बनी हुई है। मकान मालिक ने छज्जे के ऊपर रसोई व बाथरूम बनाया हुआ है। आशंका जताई जा रही है कि भार ज्यादा होने के कारण छज्जा गिर गया।पुलिस के अनुसार हादसे के वक्त राहगीर मोहम्मद काशिफ वहां से गुजर रहे थे। द्वारका जिले के डीसीपी अंकित सिंह के अनुसार घटनास्थल पर क्राइम टीम ने पहुंचकर मौके से सैंपल लिये हैं।

भाजपा सरकार दिल्ली में नशे के चलन को खत्म करने को कटिबद्ध : वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि भाजपा सरकार दिल्ली में नशे के चलन को खत्म करने को कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि नशा एक सामाजिक अभिशाप है। इसके विरुद्ध जनता, सामाजिक संस्थाओं और जनप्रतिनिधियों को आगे आकर नशा रोकने के लिए अभियान चलाने की जरूरत है।

वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल के शासन में न तो सरकार के आबकारी विभाग ने नशा व्यापारियों के विरुद्ध कोई अभियान चलाया न ही जनप्रतिनिधियों ने अपने क्षेत्र में नशा बिक्री के खिलाफ अभियान चलाया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में तत्कालीन केजरीवाल सरकार एक ऐसी शराब नीति लाई, जिसमें एक बोतल के साथ एक बोतल फ्री बंटवाकर सरकार ने शराब सेवन वृद्धि को सरकारी मान्यता दी।

इसी तरह केजरीवाल सरकार के पास आबकारी विभाग में कर्मियों की फौज थी परन्तु दस साल में आबकारी विभाग ने एक भी नशा वितरक को नहीं पकड़ा। दिल्ली में रेव पार्टी होती रही परन्तु केजरीवाल शासन में आबकारी विभाग ने कहीं कोई छापा नहीं मारा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने न सिर्फ आबकारी विभाग को नशा कारोबार करने के विरुद्ध सख्ती के निर्देश के साथ-साथ जनजागरण अभियान चलाकर एक एसएचओ एवं पुलिसकर्मी को निलंबित करवाया है।

कांग्रेस ने महिला आरक्षण को लेकर जंतर-मंतर पर किया प्रदर्शन।

रंग व विकास की योजनाओं संग सुहावनी हो गई सरोजनीनगर की होली : योगी

दिव्य भारत संवाददाता

- **मुख्यमंत्री ने डॉ. राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय में आयोजित '3 साल बेमिसाल, सरोजनीनगर आभार दिवस' कार्यक्रम में की शिरकत**
- **सीएम योगी ने विभिन्न कार्यों का किया लोकार्पण व शिलान्यास**

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय में आयोजित '3 साल बेमिसाल, सरोजनीनगर आभार दिवस' कार्यक्रम में शिरकत की। स्थानीय विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विभिन्न कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया। साथ ही सरोजनीनगर संवाद व विकास प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। सरोजनीनगर के सिख परिवारों ने सीएम योगी को करतारपुर साहब से लाया प्रसाद भेंट किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि रंग और विकास की योजनाओं संग सरोजनीनगर की होली और सुहावनी हो गई।

सीएम योगी ने कहा कि आज रंगभरी एकादशी भी है। सभी मंदिरों में देव विग्रहों के साथ होली खेली जा रही है। रंग के साथ विकास की योजनाओं ने सरोजनीनगर विधानसभा की होली को और और भी सुहावना बना दिया है। क्षेत्र में 32 हजार करोड़ की परियोजनाएं धरातल पर उतर चुकी हैं या चल रही हैं। इस विधानसभा क्षेत्र में 1200 करोड़ रुपये का कन्वेंशन सेंटर (जहां 10 हजार लोग एक साथ बैठकर कार्यक्रम कर सकें) बनाने जा रहे हैं। इसी विधानसभा क्षेत्र में डिफेंस कॉरिडोर भी बन रहा है। यूपी का पहला फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट का निर्माण भी यहीं हुआ है। एसजीपीजीआई जैसा चिकित्सा संस्थान भी इसी विधानसभा क्षेत्र में है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह कार्यक्रम देखकर आनंद की अनुभूति हुई कि विधायक जमीनी धरातल पर उतरकर इतनी गहराई के साथ जनता-जनार्दन की सेवा के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। यह लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबी है और लोकतंत्र इसी से मजबूत होता है। सरोजनीनगर की जनता का अभिनंदन करते हुए उन्होंने कहा कि तीन वर्ष पहले आज ही के दिन (10 मार्च 2022) डॉ. राजेश्वर सिंह को विधायक चुना था।

गांवों को मिलेगा स्थायी स्वच्छता मॉडल, योगी सरकार ने बनाई नई नीति

आशीष पाण्डेय/दिव्य भारत

- **प्रदेश के 85,827 गांवों को मिला स्वच्छता का मॉडल दर्जा**
- **गोबरधन योजना को मिलेगी गति, गांवों में बायोगैस यूनिट निर्माण को बढ़ावा**
- **ग्राम पंचायतों को स्वच्छता में आत्मनिर्भर बनाने के लिए योगी सरकार का बड़ा कदम**
- **स्वच्छ भारत मिशन को मिलेगी नई मजबूती, गांवों में ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन होगा सुदृढ़**
- **योगी सरकार की नई नीति से गांवों में स्वास्थ्य और पर्यावरण को मिलेगा लाभ**

लखनऊ। योगी सरकार ग्रामीण स्वच्छता को और अधिक सुदृढ़ करने के लिहाज से एक नई नीति लेकर आई है। इस नीति का उद्देश्य ग्राम पंचायतों में निर्मित स्वच्छता परिसंपत्तियों का प्रभावी संचालन और दीर्घकालिक रखरखाव सुनिश्चित करना है, ताकि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के लक्ष्य को पूरी तरह से साकार किया जा सके। योगी सरकार ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, प्लास्टिक कचरा निस्तारण, फीकल स्लज प्रबंधन और गोबरधन परियोजना के तहत बायोगैस यूनिट निर्माण जैसी योजनाओं को मजबूत करने की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। साथ ही, व्यक्तिगत और सामुदायिक शौचालयों के निर्माण एवं रखरखाव को भी सुचारू करने पर फोकस किया जा रहा है।

योगी सरकार ने प्रदेश के सभी गांवों को खुले में शौच से मुक्त ओडीएफ प्लस घोषित करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), 15वां केन्द्रीय वित्त आयोग, राज्य वित्त आयोग एवं मनरेगा की धनराशि से ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धनों के कार्यां को कराते हुए प्रदेश के सभी गांवों को ओडीएफ प्लस ग्राम घोषित किये गये हैं, जिनमें से प्रदेश के कुल ग्राम 96,174 गांवों के सापेक्ष 85,827 गांवों को ओडीएफ प्लस की मॉडल श्रेणी के ग्रामों में घोषित किये गये है। पंचायतीराज निदेशक की अध्यक्षता में ड्राफ्टिंग कमेटी गठित कर डेवलपमेंट पार्टनर एवं विभागा के सहयोग से नई नीति का ड्राफ्ट तैयार किया गया है। नई नीति के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर अपशिष्ट प्रबंधन को और प्रभावी बनाया जाएगा, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि स्वच्छता की यह उपलब्धि स्थायी बनी रहे। योगी सरकार के इस प्रयास से ग्रामीण स्वच्छता से जुड़े सभी कार्यों को मजबूती मिलेगी और ग्राम पंचायतों में स्वच्छता का स्तर और ऊंचा होगा।

नई नीति का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि ग्राम पंचायतें स्वच्छता प्रबंधन में आत्मनिर्भर बनेंगी। इसके तहत पंचायतों को उनके क्षेत्र में निर्मित परिसंपत्तियों की देखभाल के लिए ठोस दिशा-निर्देश दिए जाएंगे। इससे यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी शौचालय, कचरा प्रबंधन केंद्र या जल निकासी प्रणाली अनुपयोगी न रहे और सभी सुविधाएं सुचारू रूप से कार्य करती रहें। इसके अतिरिक्त, गोबरधन योजना के तहत बायोगैस यूनिटों की स्थापना से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। यह योजना गांवों में कचरे को उपयोगी संसाधन में बदलने के लिए सरकार के सतत विकास के दृष्टिकोण को मजबूत करेगी।

नई नीति के तहत स्वच्छता को केवल एक अभियान नहीं, बल्कि ग्राम पंचायतों की नियमित व्यवस्था का हिस्सा बनाया जाएगा। इस नीति से गांवों में रहने वाले बच्चों, महिलाओं और पूरे समुदाय के जीवन स्तर में सुधार होगा। ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन की ठोस योजना से स्वच्छ पेयजल और स्वच्छ पर्यावरण सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे कई बीमारियों को रोका जा सकेगा। योगी सरकार की यह नीति ग्रामीण भारत को स्वच्छ, स्वस्थ और आत्मनिर्भर बनाने के दृष्टिकोण का एक महत्वपूर्ण कदम है। सरकार का लक्ष्य 2025 तक सभी ग्राम पंचायतों को पूरी तरह से स्वच्छता संपन्न बनाना है, जिससे न केवल स्वास्थ्य और पर्यावरण को लाभ होगा, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी सशक्त होगी।

योगी सरकार विभिन्न विकास संगठनों, टेक्नोलॉजी पार्टनर्स और सामाजिक संगठनों के सहयोग से इस नीति को प्रभावी ढंग से लागू करेगी। इससे उत्तर प्रदेश के गांवों में स्वच्छता के साथ-साथ नवाचार और सतत विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। इस नई नीति से उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में एक स्थायी और प्रभावी स्वच्छता प्रणाली स्थापित होगी। योगी सरकार के इस प्रयास से गांवों में स्वच्छता सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनजीवन का अभिन्न अंग बन जाएगी। यह नीति उत्तर प्रदेश को भारत के सबसे स्वच्छ और समृद्ध ग्रामीण राज्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगी।

10 से 25 हजार मूल्य के भौतिक स्टाम्प पेपर होंगे चलन से बाहर

दिव्य भारत संवाददाता

- **उत्तर प्रदेश मंत्रिपरिषद की बैठक में मेडिकल कॉलेज, मेट्रो परियोजना और स्मार्ट सिटी योजना सहित 19 प्रस्तावों को मिली मंजूरी**
- **प्रदेश में समर्थन मूल्य 2,425 रुपये प्रति क्विंटल की दर से 17 मार्च से 15 जून तक होगी गेहूं खरीद**
- **दो साल के लिए बढ़ाया गया राज्य स्मार्ट सिटी मिशन योजना का कार्यकाल, प्रदेश के 17 स्मार्ट सिटी के लिए मंत्रिपरिषद ने लगाई मुहर**

लखनऊ। योगी सरकार की मंत्रिपरिषद की बैठक में 19 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गई है। सोमवार को लोकभवन में आयोजित बैठक के उपरांत वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि कुल 19 प्रस्तावों पर चर्चा हुई और सभी को सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई है। इन प्रस्तावों में स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन, शहरी विकास और कर्मचारी कल्याण से जुड़े कई अहम निर्णय शामिल हैं। बैठक में बलिया में स्वतंत्रता सेनानी चित्तू पांडेय के नाम पर मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए भूमि हस्तांतरण, आगरा मेट्रो रेल परियोजना के प्रथम और द्वितीय कॉरीडोर के लिए भूमि हस्तांतरण, स्मार्ट सिटी योजना का विस्तार और केंद्र सरकार द्वारा तय किये गये समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद के लिए समय सीमा का निर्धारण किया गया है।

मंत्रिपरिषद ने 10,000 से 25,000 मूल्य तक के भौतिक स्टाम्प पेपर को चलन से बाहर करने का निर्णय लिया है। अब इनके स्थान पर ई-स्टाम्प का उपयोग किया जाएगा। इस संबंध में 5,630 करोड़ रुपये से अधिक के स्टाम्प को बीड आउट किया जाएगा। पुराने स्टाम्प 31 मार्च 2025 तक मान्य होंगे, उसके बाद इन्हें स्वीकार नहीं किया जाएगा। यह निर्णय स्टाम्प प्रणाली में पारदर्शिता लाने और गड़बड़ियों को रोकने के लिए लिया गया है। केंद्र सरकार द्वारा रबी विपणन वर्ष 2025-26 के लिए गेहूं का समर्थन मूल्य 2,425 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया गया है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश में 17 मार्च से 15 जून 2025 तक गेहूं की खरीद होगी, जिसके लिए खाद्य विभाग की विपणन शाखा सहित कुल 8 एजेंसियों द्वारा प्रदेशभर में लगभग 6,500 क्रय केंद्र स्थापित किए जाएंगे। बैठक में बलिया जिले में मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए 14.05 एकड़ भूमि को निःशुल्क हस्तांतरण को मंजूरी दी गई। यह भूमि जिला कारागार से चिकित्सा शिक्षा विभाग को हस्तांतरित की गई है। मेडिकल कॉलेज का निर्माण 12.39 एकड़ भूमि पर किया जाएगा, जबकि शेष लगभग 2 एकड़ भूमि पर स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय चित्तू पांडेय की मूर्ति स्थित है, जिसके सौंदर्यीकरण का निर्णय लिया गया है। मेडिकल कॉलेज का नामकरण भी चित्तू पांडेय के नाम पर किया जाएगा। बुलंदशहर में नर्सिंग कॉलेज की स्थापना के लिए राजकीय कृषि विद्यालय के नाम दर्ज 4570 वर्ग मीटर भूमि को चिकित्सा शिक्षा विभाग को निःशुल्क हस्तांतरित करने का फैसला लिया गया है। यह भूमि ग्राम वलीपुरा में स्थित है। बता दें कि प्रदेश के 27 स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालयों में नर्सिंग कॉलेज की स्थापना की जा रही है। बता दें कि स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, बुलंदशहर परिसर में अबतक नर्सिंग कॉलेज के लिए भूमि उपलब्ध नहीं थी। मंत्रिपरिषद की बैठक में सैफई (इटावा) स्थित उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय में ऑब्स एंड गायनी ब्लॉक के निर्माण के लिए प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। 300 बेडेड अस्पताल में पीडियाट्रिक ब्लॉक को भी शामिल किया गया है। इसके लिए 23217.17 लाख रुपए के वित्तीय एवं प्रशासकीय प्रस्ताव को मंत्रिपरिषद ने स्वीकृत कर लिया है। चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यूपी मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की आगरा मेट्रो रेल परियोजना के प्रथम कॉरिडोर के लिए उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की 8684.68 वर्ग मीटर भूमि को आवास एवं शहरी नियोजन विभाग को निःशुल्क हस्तांतरित किया गया है। वहीं, द्वितीय कॉरिडोर के लिए गृह विभाग की 20,753 वर्ग मीटर भूमि को भी आवास एवं शहरी नियोजन विभाग को निःशुल्क हस्तांतरित किया गया है।

बेटा-बेटियों में भेदभाव मिटाकर बच्चियों को शिक्षित करने की है सभी की जिम्मेदारी : राज्यपाल

वाराणसी, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि बेटा-बेटी में भेदभाव मिटाने, बच्चियों को शिक्षित करने और उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखने की जिम्मेदारी सभी की है। विशेष रूप से आंगनवाड़ी केंद्रों की सुपरवाइजर, सीडीपीओ और कार्यकत्रियों से यह अपेक्षा है कि वे बच्चियों के स्वास्थ्य परीक्षण, खेल, योग और अन्य गतिविधियों पर ध्यान दें। स्कूलों में हेल्थ कैंप आयोजित किए जाएं। आंगनवाड़ी केंद्रों के बच्चों को पौष्टिक आहार दिया जाए, ताकि कुपोषण से बच्चों का बचाव हो सके। गांव के हर बच्चे को आंगनवाड़ी केंद्रों तक पहुँचाया जाए, क्योंकि यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। राज्यपाल वाराणसी में दो दिवसीय दौरे के दौरान सोमवार को मंडलीय सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहीं थीं। इस दौरान उन्होंने दिव्यांग पोर्टल की भी शुरूआत की।

उन्होंने महिलाओं को सशक्त बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। कहा कि परिवार को आगे बढ़ाने के लिए महिलाओं को मजबूत होना चाहिए। महिलाएं अपनी बीमारियों को छिपाने के बजाय समय रहते उपचार कराएं।

एंटी करप्शन टीम ने राजस्व निरीक्षक को किया गिरफ्तार

धर्मेन्द्र श्रीवास्तव

प्रतापगढ़। एंटी करप्शन टीम ने राजस्व निरीक्षक को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया,राजस्व निरीक्षक के द्वारा पीड़ित से मेड़बन्दी के लिए रिपोर्ट लगाने को लेकर पांच हजार रुपए की रिश्वत की डिमांड की गई थी। राजस्व निरीक्षक की डिमांड से परेशान पीड़ित ने एंटी करप्शन टीम से संपर्क किया। एंटी करप्शन टीम द्वारा पूरे मामले की जानकारी करने के बाद राजस्व निरीक्षक को घूंस लेते हुए रंगे हांथ पकड़ने के लिए योजना बनाकर राजस्व निरीक्षक को घूंस देने के लिए बुलाया गया और जैसे ही राजस्व निरीक्षक के द्वारा रिश्वत ली गई वैसे ही वहां पर मौजूद एंटी करप्शन टीम ने राजस्व निरीक्षक को पांच हजार रुपए रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। एंटी करप्शन टीम द्वारा राजस्व निरीक्षक को गिरफ्तार करने के बाद नगर कोतवाली लाया गया। एंटी करप्शन टीम के द्वारा तहरीर देकर राजस्व निरीक्षक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया गया। जानकारी के अनुसार मामला है रानीगंज तहसील में तैनात राजस्व निरीक्षक प्रदीप कुमार दूबे द्वारा पीड़ित शिकायतकर्ता डॉ.मोहम्मद यूसुफ खान से मेड़बन्दी के लिए रिपोर्ट लगाने के लिए पांच हजार रुपए रिश्वत की मांग की गई। तब पीड़ित शिकायतकर्ता द्वारा एंटी करप्शन टीम प्रयागराज यूनिट से संपर्क किया जाता है। एंटी करप्शन टीम के द्वारा राजस्व निरीक्षक प्रदीप कुमार दुबे को रंगे हांथ पकड़ने के लिए जाल बिछाया जाता है। प्रदीप कुमार दुबे को शहर के श्रीराम तिराहा के पास पांच हजार रुपए रिश्वत देने के लिए बुलाया जाता है। जैसे ही राजस्व निरीक्षक प्रदीप कुमार दुबे पीड़ित शिकायतकर्ता डॉ. मोहम्मद यूसुफ खान के हाथों से पांच हजार रुपए रिश्वत अपने हाथों में लेते हैं,वैसे ही एंटी करप्शन टीम प्रयागराज यूनिट के द्वारा पांच हजार रुपए के साथ गिरफ्तार कर लिया जाता है। गिरफ्तार करने के बाद एंटी करप्शन टीम प्रयागराज यूनिट राजस्व निरीक्षक प्रदीप कुमार दुबे को लेकर नगर कोतवाली पहुंची। एंटी करप्शन टीम प्रयागराज यूनिट के द्वारा राजस्व निरीक्षक प्रदीप कुमार दुबे से घंटों पूछताछ की गई। उसके बाद एंटी करप्शन टीम प्रयागराज यूनिट के द्वारा नगर कोतवाली में तहरीर देकर राजस्व निरीक्षक प्रदीप कुमार दुबे के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया।

संक्षिप्त समाचार

पत्नी की हत्या में फरार आरोपी पति गिरफ्तार

गाजियाबाद, (हि.स.)। थाना मुरादनगर पुलिस ने सोमवार को पत्नी की हत्या में फरार आरोपित पति को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित ने पत्नी को आग लगा कर मार दिया था। डीसीपी ग्रामीण एसएन तिवारी ने बताया कि बीती 28 फरवरी को एक महिला ने थाना मुरादनगर पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। महिला का आरोप था कि उसकी पुत्री भूरी उर्फ मुवाशिरा को उसके पति इंतखाब ने पेट्रोल डालकर आग लगा दी थी। सात मार्च को दिल्ली के अस्पताल में इलाज के दौरान बेटी की मौत हो गयी। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपित की तलाश शुरू कर दी। मुरादनगर पुलिस ने आरोपित इंतखाब आलम को गुडमंडी के सामने रावली रोड से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को गिरफ्तार आरोपित ने बताया कि उसकी शादी 28 मार्च 2005 को हुई थी। तीन बेटी और एक बेटा हैं। वह शराब का लती है। घटना वाले दिन शराब पीने को लेकर पत्नी से विवाद हो गया। इस पर मैंने पेट्रोल डालकर उसे आग लगा दी थी और भाग गया था।

महाश्मशान में नागा संतों के साथ युवाओं ने चिता भस्म की होली खेली

वाराणसी, (हि.स.)। रंगभरी एकादशी पर सोमवार को महाश्मशान हरिश्चंद्र घाट पर नागा संतों,अघोरी और तांत्रिकों के साथ हजारों युवाओं ने जलती चिताओं के बीच चिता भस्म (राख)और अबीर गुलाल से जमकर होली खेली। राग-विराग को अपने में समेटे काशी नगरी में मृत्यु भी उत्सव है,इसकी झलक घाट पर दिखी। इस दौरान घाट पर डीजे, ढोल और डमरूओं की ताल और खेले मसाने में होरी...गाने पर मां काली और अन्य देवी देवताओं का भेष धरे गले में नरमुंड की माला पहने कलाकारों और युवाओं ने जमकर नृत्य किया। सामाजिक संस्था काशी मोक्षदायिनी सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित मसाने की होली के बाद नागा साधुओं और अघोरियों ने शिव तांडव नृत्य भी किया। इसके पहले समिति के पदाधिकारियों की देखरेख में रवींद्रपुरी स्थित बाबा कीनाराम आश्रम से मसाने की होली की भव्य शोभायात्रा निकाली गई।

अठारह गोवंश के साथ अंतरजनपदीय तस्कर गिरफ्तार, जेल

मीरजापुर, (हि.स.)। अपराध व पशु तस्करी की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत चील्ह पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एक अंतरजनपदीय पशु तस्कर को गिरफ्तार कर 18 गोवंश को क्रूरता पूर्वक वध के लिए ले जाए जाने से बचाया। साथ ही तस्करी में प्रयुक्त डीसीएम वाहन को भी सीज कर दिया गया। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) व क्षेत्राधिकारी (सदर) के नेतृत्व में सोमवार को चील्ह पुलिस टीम को सूचना मिली कि एक डीसीएम वाहन में अवैध रूप से गोवंश तस्करी की जा रही है। इस सूचना पर पुलिस ने चील्ह तिराहे पर घेराबंदी कर एक संदिग्ध वाहन को रोका। तलाशी लेने पर वाहन में 18 गोवंश को क्रूरता पूर्वक भरा पाया गया। मौके पर ही तस्कर नन्हे आलम खान को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद थाना चील्ह में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की गई। उपनिरीक्षक रामकृपाल यादव ने बताया कि आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया, जबकि डीसीएम वाहन को 207 एमवी एक्ट के तहत सीज कर लिया गया।

ना जलाएं पराली, ऑर्गेनिक उत्पाद के रूप में ये है मिट्टी की आत्मा

आलोक पाण्डेय / दिव्य भारत

- **पराली जलाने से पर्यावरण एवं भूमि की उर्वरा शक्ति को होती है भारी क्षति**
- **पहली अप्रैल से गेहूं खरीद करेगी योगी सरकार**
- **पराली जलाने से होने वाले नुकसान और उनकी कम्पोस्टिंग करने के बाबत लगातार जागरूक कर रही योगी सरकार**
- **कम्पोस्टिंग से होने वाले लाभ और इसके तैयार करने के तरीके के बारे में भी दी जा रही जानकारी**

लखनऊ। रबी की फसलों की कटाई का सिलसिला शुरू हो गया है। कुछ हफ्ते बाद इसकी प्रमुख फसल गेहूं भी कटने लगेगी। इसी नाते योगी सरकार ने एक अप्रैल से गेहूं खरीद की भी घोषणा भी कर रखी है। अगर आप गेहूं की कटाई के बाद जायद या खरीफ की फसल की तैयारी के लिए गेहूं की पराली जलाने की सोच रहे हैं तो रुकिए और सोचिए। आप सिर्फ खेत नहीं उसके साथ अपनी किस्मत खाक करने जा रहे हैं। क्योंकि, पराली के साथ फसल के लिए सर्वाधिक जरूरी पोषक तत्व नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश (एनपीके) के साथ अरबों की संख्या में भूमि के मित्र बैक्टीरिया और फफूंद भी जल जाते हैं। किसान ऐसा न करें इसके लिए योगी सरकार किसानों को पराली जलाने से होने वाले नुकसान और जलाने की बजाय उनकी कम्पोस्टिंग करने के बाबत लगातार जागरूक कर रही है। कृषि प्रसार में लगे अधिकारी और कर्मचारी लगातार किसानों को पराली जलाने से होने वाले पर्यावरण और खेत की उर्वरा शक्ति को होने वाले क्षति के बाबत जागरूक कर रहे हैं। साथ पराली की खेत में ही कम्पोस्टिंग से होने वाले लाभ और इसके तैयार करने के तरीके के बारे में भी बता रहे हैं। योगी सरकार का प्रयास तो चक्रण के जरिए इसे किसानों के लिए आर्थिक रूप से उपयोगी बनाने का है। इसके लिए हर जिले में बायो कंप्रेस्ड गैस (सीबीजी)कई जगह बन गए हैं। कुछ जगह बन भी रहे हैं। साथ ही पराली जलाने पर 15 हजार रुपये जुमार्ने का प्रावधान भी है। किसानों को जागरूक करने का यह सिलसिला इस सीजन में भी जारी है।

इफको के एरिया मैनेजर डॉक्टर डीके सिंह भी मानते हैं कि पराली जलाने की घटनाओं को रोकने में किसानों का जागरूक होना सबसे महत्वपूर्ण है। किसानों को पराली जलाने से होने वाली व्यापक क्षति के बाबत जागरूक करना होगा। साथ ही इसके निस्तारण के सस्ते और प्रभावी तरीकों को बताना होगा। उनको समझाना होगा कि,पराली एक ऑर्गेनिक उत्पाद है। इस रूप में यह खेत की आत्मा है। चक्रण के जरिए इसका उपयोग कंपोस्ट खाद, कागज, बिजली या कंप्रेस्ड बायो गैस (सीबीजी) बनाने में संभव है। पराली जलाकर आप न केवल पर्यावरण को क्षति पहुंचा रहे है,बल्कि खुद की बेशकीमती चीज को भी खाक कर रहे हैं।

एन बी आर आई ने एक स्ट्रा फैक्टर बनाया है। इसमें मौजूद फंगस एवं बैक्टीरिया धान की पराली की सिर्फ 10 दिन में कम्पोस्टिंग कर देता। ऐसे नवाचारों को प्रोत्साहित करने के साथ इनको ग्रासरूट पर समय से पहुंचाना होगा। प्रति हेक्टेयर 20 लीटर की जरूरत होती है और इसकी कीमत मात्र 100 रुपए है।

शोधों से साबित हुआ है कि बचे डंठलों में एनपीके की मात्रा क्रमशः 0.5, 0.6 और 1.5 फीसद होती है। जलाने की बजाय अगर खेत में ही इनकी कम्पोस्टिंग कर दी जाय तो मिट्टी को यह खाद उपलब्ध हो जाएगी। इससे अगली फसल में करीब 25 फीसद उर्वरकों की बचत से खेती की लागत में इतनी ही कमी आएगी और लाभ इतना ही बढ़ जाएगा। भूमि के कार्बनिक तत्वों, बैक्टिरिया फफूंद का बचना, पर्यावरण संरक्षण और ग्लोबल वार्मिंग में कमी बोनस होगा। गोरखपुर एनवायरमेंटल एक्शन ग्रुप के एक अध्ययन के अनुसार प्रति एकड़ डंठल जलाने पर पोषक तत्वों के अलावा 400 किग्रा उपयोगी कार्बन, प्रतिग्राम मिट्टी में मौजूद 10-40 करोड़ बैक्टीरिया और 1-2 लाख फफूंद जल जाते हैं। फसल अवशेष से ढकी मिट्टी का तापमान नम होने से इसमें सूक्ष्मजीवों की सक्रियता बढ़ जाती है,जो अगली फसल के लिए सूक्ष्म पोषक तत्व मुहैया कराते हैं। इतना ही नहीं, अवशेष से ढकी मिट्टी की नमी संरक्षित रहने से भूमि के जल धारण की क्षमता भी बढ़ती है। इससे सिंचाई में कम पानी लगने से इसकी लागत घटती है। साथ ही दुर्लभ जल भी बचता है।

डंठल जलाने की बजाय उसे गहरी जोताई कर खेत में पलट कर सिंचाई कर दें। शीघ्र सड़न के लिए सिंचाई के पहले प्रति एकड़ 5 किग्रा यूरिया का छिड़काव कर सकते हैं। इसके लिए कल्चर भी उपलब्ध है।